राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 150 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शुक्रवार 01 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक धर्मस्थल मामला: छठी जगह खुदाई में मिले मानव अवशेष

बेंगलुरु। कर्नाटक के धर्मस्थल से जुड़े कथित सामूहिक बलात्कार और हत्याकांड में विशेष जांच दल (एसआईटी) को बड़ी सफलता मिली है। मामला का खुलासा करने वाले व्यक्ति और मंदिर के पूर्व सफाई कर्मी की निशानदेही पर आज छठे स्थान पर खुदाई की गई। यहां एसआईटी को मानव कंकाल के अवशेष मिले हैं। मामले में इसे निर्णायक मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि अब तक 5 जगहों की खुदाई में कुछ नहीं मिला था।

सूत्रों ने एसआईटी सूत्रों के हवाले से कहा है कि छठे स्थान पर कंकाल के अवशेष मिले हैं। एसआईटी ने इन्हें बरामद कर लिया है और माना जा रहा है कि इन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। यहां कल से खुदाई की जा रही थी और करीब 4 फीट की खुदाई के बाद कुछ हड्डियां मिली हैं।

एक सूत्र ने कहा, हमें आंशिक कंकाल के अवशेष मिले हैं। यह संभवतः किसी पुरुष के हैं।

इससे पहले व्हिसलब्लोअर की निशानदेही पर एसआईटी ने 5 जगहों पर खुदाई की थी। हालांकि, इनमें से किसी भी जगह पर कुछ नहीं मिला था। हालांकि, चौथी जगह पर खुदाई में एसआईटी को एक पुरुष का पैन कार्ड और एक महिला के नाम से एटीएम कार्ड मिला था। बता दें कि इस व्हिसलब्लोअर ने 15 संदिग्ध जगहें एसआईटी को बताई हैं। इनमें से 8 नेत्रवती नदी के किनारे, जबकि बाकी नदी के पास राजमार्ग के किनारे घने जंगलों में हैं।

जब तक चिदंबरम रहे, अफजल गुरु को फांसी नहीं हुई, शाह के दावों का पूर्व गृह मंत्री ने किया खंडन

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने गुरुवार को आतंकवादी अफजल गुरु की फांसी के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों का खंडन किया है. उन्होंने कहा कि शाह का आरोप, झूठ और तोड़-मरोड़ का मिश्रण है.

एक्स पोस्ट में चिदंबरम ने स्पष्ट किया कि संसद हमले के मास्टरमाइंड अफजल गुरु की फांसी से संबंधित कार्यवाही भारत के गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान नहीं हुई थी. चिदंबरम ने आगे कहा कि, गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बयान दिया कि, जब कि, पी चिदंबरम गृह मंत्री थे, तब तक अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जा सकती थी. चिदंबरम ने कहा कि, अमित शाह ने तोड़-मरोड़कर बयान पेश किया है.

घटनाक्रम का जिक्र करते हुए चिदंबरम ने आगे कहा, अदालतों द्वारा दोषसिद्धि और सजा सुनाए जाने के बाद अफजल गुरु की पत्नी ने उसकी ओर से अक्टूबर 2006 में भारत के राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर की. राष्ट्रपति ने 3 फरवरी 2013 को दया याचिका खारिज कर दी. अफजल गुरु को छह दिन बाद 9 फरवरी 2013 को फांसी दे दी गई. चिदंबरम ने कहा कि, वे 1 दिसंबर 2008 और 31 जुलाई 2012 के दौरान गृह मंत्री थे.

चिदंबरम ने आगे कहा कि, इस पूरी अवधि के दौरान, अफजल गुरु की दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष लंबित रही. कानून यह है कि जब तक दया याचिका का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक मृत्युदंड की सजा पर अमल नहीं किया जा सकता.

चिदंबरम की यह टिप्पणी अमित शाह के राज्यसभा में पूर्व गृह मंत्री की ऑपरेशन सिंदूर पर की गई सबूत वाली टिप्पणी की आलोचना के बाद आई है

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुँच से विकास की गति होगी तीव्र - मुख्यमंत्री

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, सड़क परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की अधोसंरचना योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गडकरी को राज्य में चल रही प्रमुख सड़क परियोजनाओं की अद्यतन जानकारी दी और बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार निर्माण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरस्थ और वनवासी क्षेत्रों को मुख्य

सड़कों से जोड़ने के प्रयास तेज़ी से किए जा रहे हैं, ताकि वहाँ के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसर प्राप्त हो सकें।

बैठक में चर्चा हुई कि औद्योगिक क्षेत्रों तथा नवगठित जिलों में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करना राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि वे रोज़गार, निवेश और सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला भी हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए यह भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुँच से न केवल विकास की गति बढ़ेगी, बल्कि इन क्षेत्रों में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन भी आएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गडकरी को छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत राज्य की दीर्घकालिक रणनीति से भी अवगत कराया, जिसमें एकीकृत और पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण एवं सीमावर्ती इलाकों में सड़क संपर्क को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, ताकि प्रत्येक नागरिक तक विकास की पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

जशपुर जिले में शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मनोरा विकासखंड के शासकीय कॉलेज भवन के निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 61 लाख 25 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति मुख्यमंत्री द्वारा अपने जशपुर प्रवास के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप दी गई है, जिस पर राज्य सरकार द्वारा तत्परता से अमल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि जशपुर जिले के विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और सड़क-पुल निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए लगातार स्वीकृतियाँ दी जा रही हैं।

'धरना देना अभिव्यक्ति की आजादी..', सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की आचार संहिता के दौरान दर्ज एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मार्च 2019 में आंध्र प्रदेश में आयोजित एक धरने को लेकर दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि धरना देने वाले लोग अपने अभिव्यक्ति की आजादी और शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने के अधिकार का उपयोग कर रहे थे।

जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने बताया कि यह प्राथमिकी उस समय दर्ज की गई थी, जब राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू थी। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अभिनेता और शिक्षाविद् मांचू मोहन बाबू और उनके बेटे मांचू विष्णु वर्धन बाबू की अपीलों पर आया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

पीठ ने कहा कि प्राथमिकी और आरोपपत्र में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि चुनावों पर किसी तरह का गलत प्रभाव डाला गया या स्वतंत्र मतदान प्रक्रिया में कोई दखल दिया गया। शीर्ष कोर्ट ने कहा, अगर राज्य के पक्ष को पूरी तरह मान भी लिया जाए, तो भी यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ताओं ने धरना या रैली के दौरान किसी अपराध को अंजाम दिया या सड़कों पर ऐसी बाधा पैदा की, जिससे आरोप सही साबित हों।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता सिर्फ अपने अभिव्यक्ति की आजादी और शांतिपूर्वक तरीके से एकत्र होने के अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। ऐसे में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्राथमिकी और आरोपपत्र में ऐसा कुछ नहीं है जिससे यह लगे कि उन्होंने ऐसा कोई गैरकानूनी कार्य किया जिससे सार्वजनिक रूप से किसी को नुकसान, खतरा, असुविधा या अधिकारों में बाधा पहुंची हो।

मांचू मोहन बाबू श्री विद्यानीकेतन के शिक्षण संस्थानों के अध्यक्ष हैं और मांचू विष्णु वर्धन बाबू उनके बेटे हैं। कोर्ट ने बताया कि राज्य में आम चुनाव और विधानसभा चुनाव 11 अप्रैल 2019 को तय थे और 10 मार्च से ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। इस दौरान बिना अनुमति के किसी भी सार्वजनिक सभा, धरने, रैली या रोड शो पर प्रतिबंध था।

राज्य सरकार के अनुसार, 22 मार्च 2019 को याचिकाकर्ताओं ने कुछ स्टाफ और छात्रों के साथ तिरुपति-मदनपल्ली सड़क पर एक रैली निकाली और उस समय की आंध्र प्रदेश सरकार के खिलाफ नारे लगाए। आरोप यह था कि सरकार छात्रों की फीस की प्रतिपूर्ति (नुकसान की भरपाई) नहीं कर रही थी। यह भी कहा गया कि इससे यातायात बाधित हुआ, लोगों को असुविधा हुई और यात्रियों की सुरक्षा को खतरा पहुंचा। इस घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आरोपपत्र दाखिल किया गया था।

इसके खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन जनवरी में उनकी याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट का फैसला रद्द कर दिया और कहा कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ लगाए गए किसी भी आरोप की पुष्टि नहीं होती।

मालेगांव विस्फोट मामले में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी; एनआईए कोर्ट का फैसला

फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे: पीड़ित परिवारों के वकील

मुंबई (एजेंसी)। सितंबर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। इस विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और की गई जांच में कई खामियां बताईं। उन्होंने कहा कि आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। विस्फोट के सभी छह पीड़ितों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और सभी घायलों को 50,000 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

पीड़ित परिवारों के वकील एडवोकेट शाहिद नदीम ने कहा कि बम विस्फोट की पुष्टि कोर्ट ने कर दी है। हम इस बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। हम स्वतंत्र रूप से अपील दायर करेंगे।

29 सितंबर 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे।

कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं

न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था।

राहुल गांधी का ट्रंप को समर्थन, कहा-भाजपा ने अडाणी के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मरी हुई अर्थव्यवस्था कहा था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि ट्रंप ने बिल्कुल सही कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है और इससे पूरी दुनिया वाकिफ है। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि भाजपा ने भारत की अर्थव्यवस्था को अडाणी (गौतम अडाणी) के लिए खत्म किया है।

राहुल ने कहा, ट्रंप सही हैं। ये बात सभी जानते हैं, सिर्फ प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर। सभी जानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मरी हुई अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि ट्रंप ने एक तथ्य रखा है। यह प्रश्न क्यों पूछा जा रहा है। क्या लोग जानते नहीं हैं? पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अर्थव्यवस्था को खत्म किया है।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को मिलेगी 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता

कैबिनेट की मंजूरी मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक 4 साल की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' की मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है।

सरकार की ओर से बताया गया है कि वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए अनुदान सहायता पर 2000 करोड़ रुपये का परिव्यय किया जाएगा। एनसीडीसी चार वर्षों की अवधि में खुले बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी। एनसीडीसी की ओर से नई परियोजनाओं की स्थापना/संयंत्रों के विस्तार, सहकारी समितियों को ऋण देने और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देने हेतु निधियों का उपयोग किया जाएगा।

डेयरी, पशुधन, चीनी व खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमों को मिलेगा लाभ

सरकार ने बताया है कि इस कदम से देश भर में डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के 2.9 करोड़

सदस्यों; श्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को लाभ मिलेगा।

वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। इस कदम से संगठन को ऋण देने के लिए अधिक धन जुटाने में मदद मिलेगी।

आर्थिक मामलों की मंत्रीमंडलीय समिति ने लिया निर्णय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और अधिक समर्थन देने के लिए, मंत्रिमंडल ने एनसीडीसी के लिए चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी।

एनसीडीसी 8.25 लाख से अधिक सहकारी समितियों को ऋण देता है, जिनके 29 करोड़ सदस्य हैं।

ट्रम्प ने इंडिया को डेड इकोनॉमी बताया

भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें-ट्रम्प

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया। उन्होंने कहा- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या।

एक दिन पहले ट्रम्प ने भारत पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। अभी अमेरिका की तरफ से भारतीय सामानों पर औसतन करीब 10त्न टैरिफ लगता है। इसके बढ़ने से अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ जाएंगे।

डेड इकोनॉमी उस स्थिति को कहते हैं जब किसी देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या बिल्कुल सुस्त पड़ जाए। इसमें

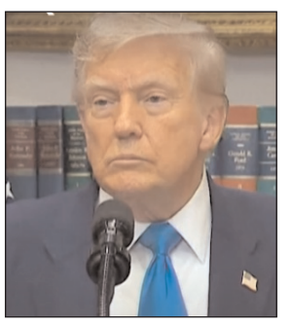

व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कमाई लगभग रुक सी जाती है। विकास रुक जाता है और लोग आर्थिक तंगी में फंस जाते हैं।

डेड इकोनॉमी कोई आधिकारिक आर्थिक टर्म नहीं है। ये एक बोलचाल का शब्द है, इसलिए इसे मापने का कोई सटीक पैमाना भी नहीं है। हालांकि इसे समझने के लिए कुछ आर्थिक संकेतकों का इस्तेमाल किया जा सकता है- जैसे जीडीपी, महंगाई, बेरोजगारी दर और व्यापार घाटा।

ट्रम्प को भारत-रूस व्यापार पर आपत्ति

डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर 30 जुलाई को ऐलान किया कि भारतीय सामानों पर अमेरिका में 25त्न टैरिफ लगेगा। उन्होंने कहा- रूस से व्यापार के चलते भारत पर टैरिफ के अलावा पेनल्टी भी लगेगी। हालांकि ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि पेनल्टी कितनी होगी। उन्होंने इतना जरूर कहा कि 25 प्रतिशत टैरिफ और पेनल्टी दोनों 1 अगस्त, 2025 से लागू होंगे।

6 भारतीय कंपनियों पर ट्रम्प ने बैन लगायाः कहा- ईरान से चोरी-छिपे कारोबार किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात ईरान से प्रतिबंधित रसायन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद करने वाली 24 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें 6 भारतीय कंपनियां भी हैं। इसके अलावा चीन की 7,, श्व की 6, हॉन्गकॉन्ग की 3, तुर्किये और रूस की 1-1 कंपनी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की। मंत्रालय का कहना है कि इन कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा के उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए। ईरान इस पैसे से न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ा रहा है और आतंकी फंडिंग कर रहा है। ईरान पर 2018 से प्रतिबंध है।

ईरान के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल भंडार है। देश की इकोनॉमी ऑयल पर काफी ज्यादा निर्भर करती है। ईरान के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल भंडार है। देश की इकोनॉमी ऑयल पर काफी ज्यादा निर्भर करती है।

ईरान ने इसका जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका अपनी इकोनॉमी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। दूतावास ने कहा- अमेरिका, ईरान और भारत जैसे आजाद देशों पर प्रतिबंध लगाकर उनकी प्रगति और विकास को रोकने की कोशिश कर रहा है। ये प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। यह एक तरह का आधुनिक आर्थिक साम्राज्यवाद है।

एअर इंडिया के एक और विमान में आई तकनीकी खराबी, लंदन जाने वाली उड़ान की गई रद्द

नई दिल्ली(एजेंसी)। एअर इंडिया के विमानों में तकनीकी खामियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। गुरुवार को एअर इंडिया के लंदन जाने वाले विमान ने तकनीकी खामी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान भरने से पहले टेकऑफ को रद्द कर दिया गया।

एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया, 31 जुलाई को दिल्ली से लंदन जाने वाली उड़ान संख्या द्ध2017 संदिग्ध तकनीकी समस्या के कारण वापस लौट आई। कॉकपिट क्रू ने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उड़ान को रोकने का फैसला किया और एहतियाती जाँच के लिए विमान को वापस ले जाया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द लंदन ले जाने के लिए

एक वैकल्पिक विमान तैनात किया जा रहा है। हमारा ग्राउंड स्टाफइस अप्रत्याशित देरी के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए यात्रियों की हर संभव सहायता और देखभाल प्रदान कर रहा है।

एक सूत्र के अनुसार इस उड़ान में बोइंग 787-9 विमान का इस्तेमाल किया गया था। विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में तुरंत जानकारी नहीं मिल सकी। हाल के हफ्तों में एअर इंडिया के विमानों से जुड़ी कई समस्याएं सामने आई हैं और एयरलाइन नियामकीय जांच के दायरे में भी आई है। बता दें कि 12 जून को लंदन जा रहा एअर इंडिया का ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत एक इमारत से टकरा गया था।

संक्षिप्त समाचार

145 बल्क लीटर अवैध महुआ शराब जब्त एवं 690 किलोग्राम महुआ लाहन किया गया नष्ट

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। आबकारी आयुक्त श्याम धावड़े के निर्देश पर कलेक्टर दीपक सोनी एवं जिला आबकारी अधिकारी मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में बुधवार को आबकारी की टीम ने 145 बल्क लीटर अवैध महुआ शराब जब्त एवं 690 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया। कसडोल वृत्त ग्राम हसुआ बलौदा में अवैध कच्ची महुआ शराब का निर्माण की सूचना पर आरोपी का विधिवत तलाशी लेने पर 15 ली. क्षमता वाली 4 प्लास्टिक जरीकेन में कुल 60 बल्क ली. महुआ मदिरा, 10 ली. क्षमता वाली 3 प्लास्टिक जरीकेन में लगभग 30 बल्क ली. महुआ मदिरा, 20 ली. क्षमता वाली 1 प्लास्टिक जरीकेन में कुल 20 बल्क ली. महुआ मदिरा कुल 110 बल्क ली. महुआ मदिरा जब्त किया गया और नदी किनारे 23 प्लास्टिक झिलियो में 690 किलोग्राम मदिरा निर्माण योग्य लाहन को विधिवत नष्ट किया गया। महुआ शराब का बाजार मूल्य 22,000 रुपये एवं महुआ लाहन का बाजार मूल्य 41,400 रुपये होना पाया गया । अज्ञात आरोपी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क)(च), 34(2),59(क) प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है। इसी तरह गुरूवार को पलारी वृत्त के थाना पलारी अंतर्गत ग्राम रामपुर में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी अनिल जांगड़े पिता चेतन जांगड़े के कब्जे से 35.0 बल्क ली. महुआ मदिरा जब्त किया गया। महुआ शराब का बाजार मूल्य 7,000रूपये है। आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) का उल्लंघन होना पाया गया। आरोपी पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालयीन अभिरक्षा में भेजा गया। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जलेश कुमार सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम, दिनेश कुमार साहू, पी.माधव राव ,आबकारी मुख्य आरक्षक मदन लाल ध्रुव, नगर सैनिक राजकुमारी पैकरा मौजूद रहे।

पुलिस ने ऑपरेशन पहल के तहत स्कूली बच्चों को किया गया जागरूक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को थाना क्षेत्र में आपरेशन पहल कार्यक्रम चला कर स्कूल,कॉलेज , गांव में जाकर छात्रों एवं आम जनता को साइबर अपराध, यातायात के बारे में जागरूक करने एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के बारे में जागरूक करने की निर्देश पर अति0 पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सारंगढ़ अविनाश मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में थाना डोंगरीपाली क्षेत्र के शासकीय हाई स्कूल कालाखूंटा में ऑपरेशन पहल के तहत स्कूल में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव एवं यातायात सुरक्षा के संबंध में जानकारी दिया गया।

सिएट ने पेश किया रॉकरैड सबसे कठिन खनन क्षेत्रों के लिए रेडियल तकनीक

मुंबई : भारत की अग्रणी टायर निर्माता कंपनी सिएट ने आज अपने नए टायर सिएट रॉकरैड की लॉन्चिंग की घोषणा की। यह कंपनी का पहला रेडियल टायर है जिसे खासतौर पर खनन और दुर्गम इलाकों के लिए तैयार किया गया है। इस रणनीतिक कदम के साथ, सिएट ने ट्रक और बस रेडियल सेगमेंट में अपनी तकनीकी मजबूती को और पुख्ता किया है और ऐसे कठिन बाजार में प्रवेश किया है जहां टायर को बेहद कठिन परिस्थितियों में टिकना होता है। रॉकरैड का व्यापक परीक्षण किया गया है - ओडिशा के बारबिल की चुनौतीपूर्ण खदानों से लेकर इंडोनेशिया के दुर्गम इलाकों तक। यह टायर अधिक टिकाऊपन, बेहतर पकड़ और ज्यादा माइलेज प्रदान करता है, जिससे यह भारी लोड ढोने वाले खनन कार्यों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है। रॉकरैड की शुरुआत खनन क्षेत्र में रेडियल टायरों की ओर एक अहम कदम है, जहाँ पारंपरिक रूप से बायस टायरों का बोलबाला रहा है। रॉकरैड का एक प्रमुख नवाचार इसका स्-टाइप ट्रेड पैटर्न है, जो खुरदरे इलाकों में बेहतर ग्रिप और दबाव का समान वितरण सुनिश्चित करता है। इसके विशेष साइडवॉल कंपाउंड में कट-प्रतिरोध की असाधारण क्षमता है, जो लचीलेपन को बनाए रखते हुए लंबे समय तक स्थिर प्रदर्शन देता है।

छत्तीसगढ़ खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की 44वीं संचालक मंडल बैठक संपन्न

ग्रामीण रोजगार व खादी विपणन को लेकर लिए गए 24 अहम निर्णय

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की 44वीं संचालक मंडल की बैठक आज रायपुर स्थित खादी बोर्ड मुख्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय ने की। यह उनकी अध्यक्षता में आयोजित पहली संचालक मंडल बैठक थी, जिसे लेकर अधिकारियों और सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया।

बैठक में ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह बोर्ड के प्रबंध संचालक श्यामलाल धावड़े (भा.प्र.से) सहित वित्त, वाणिज्य एवं उद्योग, हथकरघा, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के वरिष्ठ अधिकारी सदस्यगण के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री पाण्डेय ने अपने प्राथमिक लक्ष्यों की जानकारी देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने, उत्पादन केंद्रों के आधुनिकीकरण और नवाचार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन की दिशा में सक्रिय पहल की बात कही। बैठक के दौरान खादी तथा ग्रामोद्योग क्षेत्र के सतत विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। संचालक मंडल ने विशेष रूप से बस्तर संभाग में कपास बाड़ी की स्थापना, राज्य में बारदाना बुनाई एवं सिलाई केंद्र की स्थापना, विभिन्न संभागों में राज्य स्तरीय 40 दिवसीय खादी कार्निवल एवं प्रदर्शनी के आयोजन, प्रीमियम खादी एवं ग्रामोद्योग विक्रय केंद्र जैसी योजनाओं समेत कुल 24 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह बैठक न केवल प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र के नवाचार और विस्तार की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी सहायक सिद्ध होगी।

मांग पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे रसोइया और सफाई कर्मचारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राज्य के प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में काम करने वाले मध्यान्ह भोजन रसोइयों और स्कूल सफाई कर्मचारियों ने तीन दिवसीय हड़ताल के बाद सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं तो वे जल्द ही अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे।

रसोइयों की मांग है कि उन्हें कलेक्टर दर पर वेतन दिया जाए, साथ ही उनकी नौकरी का नियमितीकरण और अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह लाभ भी मिले। इस आंदोलन को छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त कर्मचारी मोर्चा और छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ का भी समर्थन मिल रहा है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू ने कहा कि यह कर्मचारी पिछले 20-25 वर्षों से बेहद कम मानदेय में काम कर रहे हैं। वर्तमान में रसोइयों को केवल 2000 रूपये और सफाई कर्मचारियों को 3000 रूपये तक की मासिक राशि मिलती है। आज के समय में जब एक परिवार का मासिक खर्च 8000 रूपये से 10000 रूपये के बीच है, ऐसे में इतने कम वेतन में गुजारा करना असंभव है।

संयुक्त बयान में उठी मांगें : रसोइयों और सफाई कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर वेतन, नियमितीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू हो, सामाजिक सुरक्षा लाभ ;पीएफए बीमाए पेंशनद्ध भी दिए जाएं, सम्मानजनक वेतन देकर मनोबल बढ़ाया जाए।

शिक्षकों के साथ-साथ रसोइया और सफाई कर्मचारी भी शिक्षा विभाग की रीढ़ हैं। एक ओर शिक्षक ज्ञान बांटते हैं, वहीं रसोइये बच्चों के लिए गरम और पौष्टिक भोजन बनाते है, जबकि सफाई कर्मचारी स्कूल की स्वच्छता बनाए रखते हैं। ये तीनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं।

संघ के अन्य पदाधिकारियों बीरेंद्र साहू, भोजराम साहू, शिवकुमार साहू, नरेंद्र तिवारी, रेखा पुजारी, मनीषा मिंज, हीरालाल विश्वकर्मा सहित 50 से अधिक सदस्यों ने संयुक्त रूप से मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द इस मुद्दे पर निर्णय ले, ताकि ये कर्मचारी भी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें।

अगर मांगे नहीं मानी गईं तो आने वाले समय में रसोइया और सफाई कर्मचारी आंदोलन को और तेज करेंगे।

मनिहार बिरादरी का प्रदेश अध्यक्ष चुनाव 14 सितंबर को, तैयारी जोरों पर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सुन्नी मुस्लिम मनिहार (लखेर) बिरादरी वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 14 सितंबर 2025 को राजनांदगांव में होगा। चुनाव को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है। चुनाव निष्पक्ष और गुप्त मतदान के माध्यम से संपन्न कराया जाएगा।

चुनाव समिति के संयोजक शकील अहमद ने बताया कि इस महत्वपूर्ण चुनाव के लिए नौ सदस्यीय समिति बनाई गई है। इसमें उनके अलावा हाजी वसीम अहमद जगदलपुर, हाजी प्रो. आरिफ साहब दुर्ग, शेख अलीम बिलासपुर, मोहम्मद नईम एडवोकेट रायपुर, मोहम्मद शफी राजिम, मोहम्मद हफीज वारसी राजनांदगांव, अनीश मनिहार रायपुर और मोहम्मद नौशाद बक्स महासमुंद शामिल हैं।

समिति ने चुनाव को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पूरे छत्तीसगढ़ को सात जोनों में बांटा है, जिसमें जगदलपुर जोन में सुकमा, दंतेवाड़ा, बचेली, नगरनार, बस्तर, भानपुर, धमतरी जोन में नगरी, बालोद, रायपुर जोन में नवागांव, भिलाई, भाटापारा जोन में बलौदा बाजार एवं राजनांदगांव जोन में मोहला, डोंगरगांव, खैरागढ़, दुर्ग, अंडा, उतई, कांकेर, बिलासपुर जोन में पेंड्रा, गौरेला, कोटा, जांजगीर, सरगांव, उरतुम, देवरीडीह एवं महासमुंद जोन में राजिम, नवापारा राजिम, फिंगेश्वर, गरियाबंद शामिल है।

चुनावी शेड्यूल में 1 से 22 अगस्त तक सदस्यता अभियान, 28 अगस्त को मतदाता सूची का प्रकाशन, 29-30 अगस्त को मतदाता सूची पर दावा-आपत्ति, 2 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन, 3 से 7 सितंबर को अध्यक्ष पद के लिए आवेदन जमा, 9 सितंबर को रायपुर में नाम वापसी, स्क्रूटनी और चुनाव चिन्ह आवंटन एवं 14 सितंबर को सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक मतदान (राजनांदगांव में) शाम 4 बजे से मतगणना और परिणाम घोषित होंगे।

समिति ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हर तीन साल में एक बार कराया जाता है। इस बार भी पूरी चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आयोजित की जाएगी। समाज के लोगों में चुनाव को लेकर भारी उत्साह है और सभी इसका हिस्सा बनने को तैयार हैं।

चुनाव को लेकर प्रदेशभर के मनिहार समाज में जागरूकता और सक्रियता देखने को मिल रही है। यह न केवल नेतृत्व के चयन का अवसर है, बल्कि समाज की एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की पहचान भी है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, साइबर सुरक्षा एवं बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, साइबर सुरक्षा एवं बाल संरक्षण विषय पर जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय और शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस विभाग, सखी वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त पहल पर आयोजित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती अंजुबाला शुक्ला ने बच्चों के अधिकार, बाल विवाह रोकथाम, जिला बाल संरक्षण समिति, बच्चों के शोषण से सुरक्षा एवं बाल कल्याण अधिनियम 2012 की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस विभाग की प्रतिनिधि श्रीमती शोभा यादव ने बच्चों को साइबर सुरक्षा से संबंधित सावधानियों व सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार की जानकारी प्रदान की। केन्द्र समन्वयक श्री उमाशंकर कश्यप ने चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098, विद्यार्थियों को नि:शुल्क सेवा, बाल श्रमिकों व संकटग्रस्त बच्चों की सहायता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य सहित विद्यालय के शिक्षक, वासुदेव आयंगर, श्रीमती श्यामबाई कुर्रे, संजय बघेल, लक्ष्मीनारायण सोनवानी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता से दुष्कर्म करने वाले आरोपी की सुनाई 20 साल की सजा, पीड़ित पक्ष के तरफसे विशेष लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने की पैरवी

पाटन (समय दर्शन)। नाबालिक को बहला फुसलाकर तथा शादी का झांसा देकर उसके साथ दूष्कर्म करने वाले अभियुक्त को दोष सिद्ध होने पर अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने 20 वर्ष सश्रम कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई है। पीड़िता के पक्ष से विशेष लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी किया।

पीड़िता को आरोपी जो उनके बड़े पिताजी के लड़की का देवर है उन्होंने शादी का प्रलोभन देकर घर ले गया और घर में पीड़िता के इच्छा के बगैर जबरदस्ती दुष्कर्म किया फिर कुछ दिनों बाद पीड़िता जब स्कूल जा रही थी तो आरोपी ने उसे अपने मोटर साइकिल में बिठाकर अपने घर ले आया और बार-बार पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित लज्जा के कारण उक्त कृत्य को अपने माता पिता को नहीं बताई थी। पीड़िता के स्वास्थ्य खराब होने पर उक्त घटना को अपने माता पिता को बताई। उसके बाद उनके माता पिता ने घटना की रिपोर्ट अमलेश्वर थाना में दर्ज कराई। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। पीड़ित एवं उसके माता पिता और अन्य साथियों के साक्ष्य के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को धारा 64(2) एवं 65(1) भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

ठेठवार यादव समाज युवा प्रकोष्ठ निकालेगी सामाजिक समरसता यात्रा, बैठक में बनाई कार्ययोजना

पाटन (समय दर्शन)। यादव ठेठवार समाज गुड़ा राज उड़ीसा में सामाजिक समरसता उड़ीसा यात्रा की रुपरेखा तैयार करने आवश्यक बैठक सम्पन्न हुआ। इस बैठक में ठेठवार यादव समाज युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी शामिल हुए। पाटन राज से युवा प्रकोष्ठ के सलाहकार बलराम यादव भी शामिल हुए। भगवान श्री कृष्ण जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण व आरती गायन के साथ प्रारंभ किया गया।राजिम महासभा प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी गण व स्वजातीय जनो के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

मुन्ना राम यादव पूर्व अध्यक्ष ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही समाज का कर्णधार है। युवाओं के द्वारा लगातार समाज हित में प्रदेश स्तरीय प्रवास , सामाजिक समरसता का आयोजन से निश्चित रूप से समाज में जुड़ाव बड़ा है।आज साथियों के प्रयास से इतिहास लिखा जायेगा। मन्नू राम यादव ने पदाधिकारियों को उड़ीसा पहुंचने पर आभार प्रकट किया।बैठक का सर्वप्रथम संबोधित करते हुए हरीश यादव प्रदेश प्रभारी ने सामाजिक समरसता द्वारा समाज में सक्रीयता लाने का प्रयास जारी हैं। युवा प्रकोष्ठ का प्रयास प्रशंसनीय है। रामसिंह प्रदेश संरक्षक युवा ने युवा कहा कि प्रकोष्ठ द्वारा समरसता की यात्रा से समाज में एकता का भाव देखते ही बन रहा है।समरसता तीन दिशा में हो गया है ।बस्तर , सरगुजा, मध्यप्रदेश यात्रा पश्चात अंतिम चौथा सामाजिक यात्रा उड़ीसा में किया जाना है। यात्रा में उड़ीसा के स्वजातीय जनों का सहभागिता उत्कृष्ट रहा है। समरसता में किसी प्रकार का न्याय न नहीं करके आपसी मेलजोल बढ़ाने साथी सामाजिक रीति नीति रहन सहन ,भौगोलिक जानकारी प्राप्त कर समाज में सम भाव लाना प्रमुख उद्देश्य है। युवा साथियों को समाज में जोड़कर चलना है। युवा ही समाज की रीढ़ है। भविष्य में समाज के आधार स्तंभ है।बलराम यादव प्रदेश सलाहकार ने सामाजिक समरसता की महत्ता प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ समाज को मिल रहा है। युवा प्रकोष्ठ द्वारा सामाजिक समरसता यात्रा की श्रीगणेश करना चुनौतीपूर्ण है ।फिर लगातार सामाजिक यात्रा की योजना बनाकर समाज में अंतिम छोर तक पहुंचना प्रशंसनीय है।रोमशंकर यादव प्रदेश प्रवक्ता महासभा ने कहा कि समरसता समाज के लोगों को जोड़ने का कार्य समाज को एक धागे में पिरोने का अच्छा माध्यम है।अनुभव से सीखने का अवसर मिलता है।

हरिराम यदु अध्यक्ष महानगर ईकाई ने कहा कि सामाज में सभी एक साथ चलने से ही संगठन मजबूत होता है।रामजीवन यदु ने समाजिक एकता हेतु कविता पाठ किया गया। परमानंद यादव प्रदेश अध्यक्ष प्रांतीय युवा ने समस्त पदाधिकारियों को परिचय कराते हुए बताया कि सभी पदाधिकारी समाज को अपना बहुमूल्य समय देकर समाज को संगठित व गतिशीलता प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाते रहते हैं।

आज समाज आप सभी की अथक प्रयास व सहयोग से समाज में भाई चारा बढ़ा है। सामाजिक समरसता यात्रा की सफलता में उड़ीसा के सामाजिक जनों का विशेष सहयोग रहा है। वर्तमान में उड़ीसा से सामाजिक जन समाज के प्रत्येक कार्यक्रमो उपस्थित प्रदान करते हैं। सामाजिक जागरूकता में आप सभी की सहभागिता उत्कृष्ट रहा है।

नरोत्तम यदु प्रदेश महासचिव सचिव ने सामाजिक समरसता की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए ।

यात्रा के उद्देश्य व यात्रा की रुप रेखा,तथा अष्टधातु संग्रहण,युवा अधिवेशन आयोजन की जानकारी दी । उड़ीसा सामाजिक समरसता यात्रा की रुपरेखा तैयार किया गया। यात्रा रामपुर से खल्लारी खरियार रोड़ ,तड़बोड़ जगन्नाथ पुरी,भुनेश्वर हीराकुंड बांध, संबलपुर होते हुए।पिथौरा में समापन किया जायेगा।बैठक में हरिश यादव प्रदेश प्रभारी प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ परमानंद यादव प्रदेश अध्यक्ष प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ राम सिंह यादव प्रदेश सलाहकार बलराम यादव प्रदेश सलाहकार रोमशंकर यादव प्रदेश प्रवक्ता महासभा चंदूलाल चंद्राकर पत्रकारिता राज्य अलंकरण,

सम्मान से सम्मानित ,नरोत्तम यदु प्रदेश महासचिव प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ अमन यादव उपाध्यक्ष भाजपा खेल विभाग हरिराम यदु अध्यक्ष महानगर ईकाई रायपुर राम जीवन यदु सलाहकार रायपुर राज नंदकुमार यादव आरंग राज मिथलेश यादव शिक्षक, उड़ीसा से मुन्ना राम अहिर,मन्नू लाल अहिर,बाल कुमार,भोज राम अहिर,अमित यादव युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष ,भूखन लाल अहिर से नि प्रोफेसर, हरिशंकर अहिर , राजिंदर अहिर ,राजेश अहिर,सुरेश,गोविंद, ओमप्रकाश सीता राम, एवं स्वजातीय जन उपस्थित थे।

रायगढ़ के खरसिया ब्लॉक के तीन स्कूलों को युक्तियुक्तकरण से मिले 11 विषय-विशेषज्ञ व्याख्याता

अब गणित के सवाल, जीवविज्ञान के कांसेप्ट और अर्थशास्त्र की थ्योरी समझना हुआ आसान

पठन-पाठन में दिख रहा सकारात्मक असर

29 एकल शिक्षकीय स्कूलों में भी हुई शिक्षकों की पदस्थापना

रायपुर (समय दर्शन)। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण नीति से रायगढ़ जिले के खरसिया विकासखंड के कई स्कूलों में शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। लंबे समय से विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी से जूझ रहे विद्यार्थियों को अब राहत मिली है। युक्तियुक्तकरण के तहत खरसिया ब्लॉक के तीन हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में कुल 11 व्याख्याताओं की पदस्थापना की गई है। इससे न केवल स्कूलों में पढ़ाई की गति तेज हुई है, बल्कि विद्यार्थियों में भी नई ऊर्जा का संचार हुआ है। विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की उपलब्धता से छात्रों को अब गणित के जटिल सवाल, जीवविज्ञान के कांसेप्ट और अर्थशास्त्र की गूढ़ थ्योरी को समझने में आसानी हो रही है। विज्ञान और वाणिज्य संकाय के विषयों में विशेषज्ञता बेहद महत्वपूर्ण होती है, जिससे छात्रों की बुनियाद मजबूत होती है। इससे उनकी परीक्षा तैयारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन दोनों ही बेहतर होने की संभावना है। शासकीय हाई स्कूल पामगढ़ में अब हिंदी, अर्थशास्त्र और संस्कृत विषयों के लिए व्याख्याता उपलब्ध हैं। शा. हाई स्कूल छोटे मुड़पार में गणित, भूगोल और संस्कृत विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। वहीं नगर पालिका शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरसिया में इतिहास, हिंदी, गणित, अंग्रेज़ी और जीवविज्ञान के व्याख्याता पदस्थ किए गए हैं। इसके साथ ही खरसिया ब्लॉक के 29 एकल शिक्षकीय स्कूलों में भी शिक्षकों की नई पदस्थापना की गई है। इससे स्कूलों का संचालन सुव्यवस्थित हुआ है। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ इन स्कूलों में नियमित कक्षाएं लग रही हैं और छात्रों की उपस्थिति में भी वृद्धि देखी जा रही है। पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बढ़ी है और पालकों में भी संतोष का वातावरण है कि अब उनके बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मार्गदर्शन मिल रहा है। युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के माध्यम से उन स्कूलों तक शिक्षकों की पहुंच सुनिश्चित की गई है, जो वर्षों से शिक्षक विहीन या कम शिक्षकों की स्थिति में कार्यरत थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही इस नीति की व्यापक सराहना हो रही है। पालकों और विद्यार्थियों ने इस पहल के लिए शासन का आभार जताया है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों के साथ दुर्व्यवहार के विरोध में एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

3 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

रायपुर। राजधानी के अटारी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में छात्रों के साथ लगातार हो रहे दुर्व्यवहार, मारपीट और स्कूल कार्यों में जबरन लगाने जैसी शिकायतों को लेकर NSUI ने मंगलवार को स्कूल प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। NSUI जिला महासचिव दिव्यांश श्रीवास्तव के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि तीन दिनों के भीतर दोषियों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई और छात्रों की शिकायतों का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा।

क्या हैं छात्रों की शिकायतें ?

शिक्षकों द्वारा मारपीट और मानसिक प्रताड़ना, छात्रों से स्कूल से जुड़े कार्य जबरन करवाना, दुर्व्यवहार और अभद्र भाषा का प्रयोग। NSUI ने इन मुद्दों को छात्रों के भविष्य और मनोबल से जुड़ा मामला बताते हुए प्रशासन को चेताया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो प्रदर्शन, घेराव और धरने जैसे कदम उठाए जाएंगे।

संगठन की मांगें

दोषी शिक्षकों पर तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई, छात्रों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य की गारंटी, छात्रों से जबरन कोई भी गैर-शैक्षणिक कार्य न कराया जाए, स्कूल में अभिभावकों की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाए। जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के निर्देशन में यह कदम उठाया गया। इस दौरान संदीप विश्वकर्मा, रिज़वान खान, उदय राजपूत, ओम राजपूत, शेख जुबेर, आकाश और रमेश जैसे कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। NSUI ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में विद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन और शिक्षा विभाग के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। छात्रों के साथ अन्याय किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यालय प्रशासन की ओर से फ्लिहाल कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। तीन दिन का अल्टीमेटम समाप्त होते ही इस मामले में आंदोलन और तेज होने की संभावना है।

कैबिनेट का निर्णय: जिला खनिज संस्थान न्यास नियम में होगा संशोधन

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में मंत्रिपरिषद ने भारत सरकार के खान मंत्रालय के नवीन दिशा-निर्देश और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKKY) -2024 के संशोधित गाईडलाईन्स के अनुसार छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 में संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे न्यास के पास उपलब्ध राशि का न्यूनतम 70 प्रतिशत राशि का व्यय उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र जैसे पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं नि:शक्तजन के कल्याण के साथ ही कौशल विकास एवं रोजगार, स्वच्छता, आवास, पशुपालन के समग्र विकास पर किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा साधारण रेत के उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण तथा रेत के उत्खनन एवं नियमन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2019 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय (अनुसूचित क्षेत्र हेतु) नियम 2023 को निरसित करते हुए नवीन नियम ''छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम-2025'' का अनुमोदन किया गया। इससे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे, जिससे आम जनता को उचित दरों पर रेत उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही रेत उत्खनन में पर्यावरण और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों में रेत खदान आवंटन की कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के माध्यम से की जाएगी। इससे राजस्व में भी वृद्धि होगी। कृषि भूमि के बाजार मूल्य दरों के निर्धारण के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य कर पंजीयन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव का मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन किया गया।

सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी हावी : बैज

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि क्रेडा में काम करने वाले ठेकेदारों और वेंडरों ने भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी को उजागर किया है। क्रेडा के ठेकेदारों ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी द्वारा हर काम में 3 प्रतिशत कमीशन उगाही का आरोप लगाया है तथा कमीशन नहीं देने पर ठेकेदारों को परेशान किया जा रहा है। क्रेडा के ठेकेदारों का यह आरोप छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के सुशासन की असली तस्वीर है। प्रदेश के हर विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। बिना मोटे कमीशन के राज्य में कोई कार्य नहीं होता है। डेढ़ साल में भी सरकार और मंत्रियों का भ्रष्टाचार खुलकर सामने आने लगा है। मंत्री केवल कमीशन का हिसाब रखने में ही रूचि रखते है। तहसीलदार प्रमोशन के लिये चंदा इकट्ठा कर रहे दीपक बैज ने कहा कि भाजपा राज में भ्रष्टाचार इतना ज्यादा हावी हो चुका है कि अब अधिकारी कर्मचारी अपने प्रमोशन के लिये सामूहिक रूप से चंदा इकट्ठा कर रहे है। खबर आई है कि तहसीलदार संघ के लोग कोड वर्ड में नारियल इकट्ठा करने की बात कर रहे। बताते है कि 1 लाख रू. एक अधिकारी से लिया जा रहा ताकि सामूहिक रूप से सभी का प्रमोशन हो, यह भी बताया जा रहा कि मंत्रिमंडल के बैठक के पहले राशि ऊपर तक पहुंचाया जाना है। यह खबर बताती है कि पूरी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है।

प्रदेश में भर्ती घोटाला जोरों पर- बैज ने कहा कि यूपीएससी की तर्ज पर भर्ती परीक्षायें आयोजित करने का वादा करने वाली भाजपा के राज में एक भी परीक्षा निष्पक्ष और मानदंडों को पूरा करके नहीं ली जा रही। हाल ही में समग्र शिक्षा विभाग में ठेका कंपनी के माध्यम से भर्ती निकाली गयी। ठेका कंपनी ने तीन दिन में ही पूरी प्रक्रिया पूरी करके 40000 आवेदनों की स्क्रूटनी करके 1300 की भर्ती कर लिया यह कैसे संभव है, साफ है कि इस पूरे मामले में लेनदेन हुआ है। यह नहीं भ्रष्टाचार करने वालों ने बचाव का रास्ता भी पहले से तैयार कर लिया। सभी अभ्यर्थियों से 10 रू. के स्टाम्प पेपर में किसी भी प्रकार के लेनदेन नहीं होने का शपथ पत्र लिया गया था। केरल भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के बयान तथा केरल भाजपा की प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट हो गया कि दुर्ग में ननों की गिरफ्तारी गलत थी। भाजपा सरकार ने आरएसएस और बजरंग दल के एजेंडे पर प्रदेश में धर्मांतरण का झूठा हव्वा खड़ा करने तथा बहुसंख्यको के ध्रुवीकरण करने के उद्देश्य में यह कार्यवाही किया। ननो पर मानव तस्करी का आरोप लगाया गया है जबकि जो तीन महिलायें उनके साथ जा रही थी वे सभी बालिग है तथा अपनी सहमति से नौकरी के लिये जा रही थी, इस कार्यवाही से यह भी साफ हो रहा कि प्रदेश में संविधान का राज समाप्त हो गया है।

टाटा एस वाहन में रखे रुपयों से भरा बैग पार

रायपुर (समय दर्शन)। टाटा एस वाहन में रखे रूपयों से भरे बैग को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनोज कुमार दीवान 42 वर्ष ग्राम कुरूद का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपने टाटा एस क्रमांक सीजी 04 एलव्ही 6490 के कंडक्टर सीट में एक बैग रखा था, जिसमें 2 लाख 70 हजार रुपए था। जिसे अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख की ठगी

रायपुर (समय दर्शन)। शेयर मार्केट में अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सूरज कुमार घोष 42 वर्ष आदर्श नगर मठपारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के पास अज्ञात मोबाइल नंबर 84015-20396 से कॉल आया। उक्त व्यक्ति ने शेयर मार्केट में पैसा लगाने पर ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देकर अपने एकाउंट में 17 लाख 5 हजार रुपए जमा करवा लिया। जब प्रार्थी को ठगे जाने से एहसास हुआ, तो उसने इसकी शिकायत टिकरापारा थाना में की।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े 20 लाख की ठगी

रायपुर (समय दर्शन)। छात्रावास अधीक्षक के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 20 लाख 50 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जनक कुमार साहू 27 वर्ष भाठागांव पुरानी बस्ती का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी डेविड तिग्गा 51 वर्ष ने प्रार्थी को शासकीय छात्रावास अधीक्षक के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 20 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

ज्ञा.क्रं. 1908/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025-26 दुर्ग, दिनांक 29/07/2025

इस कार्यालय द्वारा जारी ई निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक -06 एवं ज्ञापन क्रमांक 1736/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025-26/दुर्ग दिनांक 09.07.2025 अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

जी.नं. 252602127/3

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

G-252602477/1

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कार्यालय - बालोद वनमंडल बालोद

काष्ठगार डिपो बालोद का ई- ऑक्सन का संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठगार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठगार डिपो, बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम तिथि - 18/08/2025 समय प्रातः 09:00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	176.778	350	1451	271.939	1876	2679	448.717	2226	4130
2	बीजा	2.783	11	12	89.647	0	0	92.430	11	12
3	साजा	10.360	33	16	28.897	0	0	39.257	33	16
4	कसही	6.456	3	0	8.764	3	0	15.220	6	0
5	धावड़ा	1.572	66	0	19.326	0	32	20.898	66	32
6	मुण्डी	0.836	1	0	10.496	0	0	11.332	1	0
7	कर्रा	0.000	86	5	67.516	1883	0	67.516	1969	5
8	अन्य	56.209	212	23	18.040	263	42	74.249	475	65
9	कहुआ चिरान	3.359	0	0	0.000	0	0	3.359	0	0
	योग :-	258.353	762	1507	514.625	4025	2753	772.978	4787	4260
10	जलाऊ चट्टा	134 चट्टा			14.5 चट्टा			148.5 चट्टा		
11	व्यापारिक बांस	-			30871 नग = 70.128 नो.टन.			30871 नग = 70.128 नो.टन.		
12	औद्योगिक बांस	2427 बंडल = 21.474 नो.टन.			5478 बंडल 63.322 नो.टन.			7905 बंडल = 84.796 नो.टन.		

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रव लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।

3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।

4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रताओं द्वारा 30 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

जी - 252602427/4

कार्यालय वाणिज्यिक कर अधिकारी, दुर्ग वृत्त - तीन दुर्ग (छ.ग.)

संपत्ति की बिक्री के लिए नीलामी सूचना

फर्म में. डायनेमिक (सी.जी.) इक्युपमेंट प्रा.लि., दक्षिण गंगोत्री सुपेला मिलाई, टिन नं. 22443203941 तहसील दुर्ग, जिला-दुर्ग पर वाणिज्यिक कर विभाग की रू. 2,63,73,10,234 / - राशि बकाया है। वाणिज्यिक कर विभाग के प्राधिकृत अधिकारी के द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 147 (ख) तथा 147 (ग) की अधीन निषेधात्मक आदेश के तहत दिनांक 22/10/2016 को कुर्क किया गया है।

वर्तमान दिनांक तक व्यवसायी द्वारा किसी प्रकार की दावा आपत्ति नहीं किया गया है और न ही बकाया राशि जमा की गई है। अतः कुर्कशुदा संपत्ति की भू-राजस्व संहिता 1959 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए इस "जहां है जैसा है तथा जैसा है जो कुछ है" के आधार पर नीलामी द्वारा विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। इस हेतु अचल सम्पत्ति की बिक्री की उद्घोषणा दिनांक 28/07/2025 को जारी किया गया है।

यह कि कुर्कशुदा संपत्ति प्लॉट क्रमांक 4. ब्लाक क्रमांक - 42. नेहरू नगर (पूर्व), वार्ड क्र. -03 भिलाई तह. दुर्ग, जिला दुर्ग स्थित मकान की बकाया वाणिज्यिक कर की वसूली हेतु दिनांक 22/08/2025 को दोपहर 12.00 बजे स्थान भूखण्ड क्रमांक 4 ब्लाक क्रमांक 42 मोतीलाल नेहरू नगर में नीलामी सुनिश्चित की गई है।

संपत्ति का विवरण	रिजर्व प्राइस (लाख रूपये)	ई.एम.डी. (लाख रूपये)
विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण / नगरपालिक निगम भिलाई दुर्ग द्वारा पंजीकृत, लीज डीड द्वारा आबंटित 5810 वर्ग फुट आवासीय भूखण्ड में निर्मित 3 मंजिला पक्का मकान है।	305.00	30.50

खुली बोली पद्धति के अनुसार नीलामी प्रकिया की जायेगी:-

नियम व शर्ते :-

1. नीलामी प्रक्रिया भू- राजस्व संहिता के नियमों के नीलामी हेतु गठित समिति की निगरानी में सम्पन्न कराई जायेगी।
2. इच्छुक बोलीकर्ता को अपना पैन नं., एड्रेस प्रुफ, पहचान पत्र आदि दस्तावेज सहित उपस्थित होकर पंजीयन फार्म भरकर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।
3. ई. एम. डी. हेतु केवल डिमांड ड्राफ्ट जो कि वाणिज्यिक कर अधिकारी दुर्ग वृत्त - तीन दुर्ग के पक्ष में देय हो स्वीकृत किये जायेंगें।
4. ई.एम.डी. सहित उपस्थित होने वाले बोली कर्ताओं के पंजीयन उपरांत ही नीलामी आरंभ की जावेगी। पंजीयन का दिनांक 22/08/2025 समय 11.00 से 12.00 बजे नीलामी स्थल पर संपन्न की जावेगी।
5. प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अथवा नीलाभी को स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
6. असफल बोलीकर्ता के ई. एम. डी. को इस पर बिना किसी ब्याज के नीलामी प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात उनके द्वारा आवेदन लगाये जाने पर वापस कर दिए जायेंगे।
7. इसे उपरोक्त दर्शित तिथि को नीलामी द्वारा बिक्री करने के संबंध में बकायादार को नोटिस के रूप में भी माना जावे बकायादार यदि वे ऐसा करना चाहे तो नीलामी के पूर्व विभाग को उपरोक्त उल्लेखित देयकों का भुगतान करके अपनी संपत्ति को फिर से प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ताक्षरित
अतिरिक्त तहसीलदार एवं वाणिज्यिक कर अधिकारी
दुर्ग वृत्त - तीन (छ.ग.)

G-252602457/1

संपादकीय

धन के लिए समाज को क्षति

नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। देश के हर नागरिक को उच्चतम न्यायालय की इस नसीहत पर अमल करना चाहिए। आत्म नियमन के अभाव में कई बार इस आजादी के नाम पर अपमानजनक काम हो जाते हैं चाहे वह कोई रचना हो या टिप्पणी। ऐसे काम समाज को दूषित कर सकते हैं या वैमनस्य बढ़ा सकते हैं। स्थिति आगे बढ़कर विभाजनकारी सोच को मजबूत करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ सकती है। ऐसी स्थिति की पूर्व कल्पना किसी भी काम से पहले कर लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक हिन्दू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। खान के वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। न्यायालय को लगता है कि लोगों के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर गाइडलाइन होनी ही चाहिए। पीठ ने सवाल किया कि नागरिक स्वयं संयम क्यों नहीं रख सकते? लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप अवश्यंभावी है जो कोई नहीं चाहता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 100 फीसद पूर्ण अधिकार नहीं हो सकता, लेकिन नागरिक इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रतिबंध होंगे तो सीमा से बाहर जाने पर कानून का भय रहेगा। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को सही बताया। उच्चतम न्यायालय को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंच किस तरह लोगों को हदें तोड़ने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसी के भी खिलाफ कुछ भी लिख दो, अश्लील से अश्लील सामग्री पोस्ट कर दो। धर्म के खिलाफ अनर्गल पलाप कर दो, सब बिना किसी रोक के प्रकाशित हो रहा है। सबसे पहले इनकी खबर ली जानी चाहिए। धन के लिए इन्हें समाज को क्षति पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

ट्रंप की सनक या तानाशाही

प्रेम शर्मा

अपने अनिश्चित स्वभाव के अनुरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था के साथ बहुत अधिक खिलवाड़ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। ट्रंप की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। जिसे राष्ट्रपति चुने जाने के लिए भारत में हवन पूजन किया गया हो। जिसे देश के प्रधानमंत्री का बेहतर मित्र कहा जा रहा हो वह राष्ट्रपति भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहा है।हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद को संभाला है, भारत के खिलाफ ही काम कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगला और कहा कि अब वो दिन लद गए जब अमेरिकी कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों को एक सख्त मैसेज दिया है, जिसमें भारत से हायरिंग करने को मना किया है। ऐसे कई फैसले जो उन्होंने भारत को हानि पहुचाने वाले लिए है। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। उनका कहना है कि 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी बुद्धिमत्ता से जगह बनाई है। दर्जनों विश्व विख्यात कम्पनी के मुख्यकर्ताधर्ता भारतीय मूल के है। सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में 1.5 वाले भारतीय 5-6: इनकम टैक्स अदा करते हैं।अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है। इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' पूरा नहीं हो सकता।वैसे भी जब से ट्रप ने पद सम्हाला है तब से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापार परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में 20 से ज्यादा देशों में अपने टैरिफ अभियान का विस्तार कर रहे हैं। 50 प्रतिशत तक के प्रतिशोधात्मक शुल्कों के साथ, ऑटोमोबाइल और एल्युमीनियम से लेकर तांबा और ई-कॉमर्स तक, सभी क्षेत्र इस टकराव में फँस गए हैं। इसके लिए कनाडा, ब्राज़ील और भारत जैसे देश छूट हासिल करने के लिए 1 अगस्त की समय सीमा के ख़िलाफ़ दौड़ रहे हैं। जबकि व्यवसाय और उपभोक्ता इसके बाद के झटकों के लिए तैयार हैं। यानि इतना तो तय है कि या तो ट्रम्प किसी सनक का शिकार हो गए है फिर उनको तानाशाही करने में मजा आ रहा है। लेकिन हिन्दुस्तान में यह कहावत आम है कि अकेल चना भाड़ नही फोड़ सकता। इसका आभास जल्द ही ट्रम्प को हो जाएगा।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है।

भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं।

भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन एक बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है?

इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है।

टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, 'एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।'

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन स्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

वास्तु के अनुसार घर में पैसा रखने के तरीके

पैसा कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। कई बार हम खूब मेहनत तो करते हैं, लेकिन फिर भी पैसे की किल्लत बनी रहती है। इसका कारण आपकी कमाई नहीं, बल्कि वास्तु दोष हो सकता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में पैसे को किस दिशा में, कैसे और किन बातों का ध्यान रखकर रखना चाहिए, ताकि मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहे।

गलत तरीके से पैसा रखने से आती है दरिद्रता

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर पैसे को गलत दिशा या गंदे स्थान पर रखा जाए, तो उसका नकारात्मक असर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। इससे पैसे की बचत नहीं होती, खर्च बढ़ते हैं और कर्ज भी चढ़ सकता है। पैसे से जुड़ी ये 7 वास्तु टिप्स अपनाएं-

हमेशा उत्तर दिशा में रखें अलमारी

वास्तु के अनुसार, उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना गया है। इस दिशा में पैसे रखने से धन की वृद्धि होती है। कोशिश करें कि लॉकर या अलमारी इस दिशा की दीवार से सटी हो और उसका दरवाजा उत्तर या पूर्व दिशा में खुले।

लॉकर या तिजोरी जमीन से थोड़ी ऊपर रखें

पैसे रखने की अलमारी या लॉकर को जमीन पर न रखें। इसे हमेशा दीवार से सटाकर रखें और कम से कम 1 से 2 फीट ऊपर रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

पैसे के साथ गंदगी या रद्दी न रखें

पैसा रखने वाली जगह को साफ और व्यवस्थित रखें। वहां पुराने बिल, रद्दी कागज, टूटे हुए सिक्के या खराब तस्वीरें न रखें। ये नकारात्मकता फैलाते हैं और लक्ष्मी का अपमान होता है।

तिजोरी में रखें लाल कपड़ा और चांदी का सिक्का

पैसे के साथ लाल कपड़ा, कुछ चावल और चांदी का सिक्का या लक्ष्मी गणेश की तस्वीर रखें। यह शुभ संकेत देता है और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

तिजोरी के सामने दर्पण लगाएं

अगर संभव हो तो लॉकर या तिजोरी के सामने एक छोटा दर्पण लगाएं। यह पैसा दोगुना होने का प्रतीक माना जाता है। वास्तु में इसे धन वृद्धि का उपाय बताया गया है।

अलमारी में न लगाएं ताला लंबे समय तक

अगर आप पैसे की अलमारी को लंबे समय तक बंद या बिना उपयोग के छोड़ देते हैं, तो यह स्थायी ठहराव का संकेत देता है। कोशिश करें कि समय-समय पर उसका उपयोग होता रहे।

रोजाना दीपक जलाएं और मंत्र पढ़ें

जहां आप पैसा रखते हैं, वहां नियमित रूप से दीपक जलाएं और लक्ष्मी मंत्र (ऊं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः) का जप करें। यह धन की ऊर्जा को स्थिर करता है और घर में समृद्धि लाता है।

इन गलतियों से बचें

पैसे को बाथरूम या किचन के पास न रखें। पैसे के साथ नुकीली या लोहे की वस्तुएं न रखें। किसी और को बार-बार तिजोरी खोलने की अनुमति न दें।

करियर की दौड़ में मेंटल हेल्थ को न करें नजरअंदाज

आज की भागदौड़ भरी लाइफ में काम का प्रेशर बहुत ज्यादा होते जा रहा है। लोग बेहतर करियर, ज्यादा पैसा और सफलता पाने के लिए अपना ख्याल रखना भूलते जा रहे हैं। ऐसे में अपने मेंटल हेल्थ को लंबे समय तक नजरअंदाज करके काम करना हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आप भी घर बैठे वर्क फ्रॉम होम या ऑफिस जाकर काम करते हैं और अपने मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखना चाहते हैं, तो आज आपको इस आर्टिकल में काम करते हुए मेंटल हेल्थ का खास ख्याल रखने के टिप्स के बारे में

समय का सही इस्तेमाल

काम करते वक्त समय का सही इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। आपको काम करने के दौरान अपने मन को शांत और एक जगह पर स्थिर रखना चाहिए। इससे आपका दिमाग सही तरीके से काम करने में फोकस करता है।

हेल्दी लाइफस्टाइल

अच्छी मेंटल हेल्थ के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल बहुत आवश्यक है। इसके लिए आपको सबसे पहले हेल्दी और पौष्टिक सब्जी, फल खाना चाहिए। ये आपके शरीर और दिमाग दोनों को ऊर्जा देने में मदद करता है।

नींद पूरी करना

इसके लिए आपको रोजाना 7-8 घंटे की पूरी नींद लेना चाहिए, क्योंकि नींद पूरी न हो तो थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। इसके अलावा, आपको रोज एक्सरसाइज या योग करना चाहिए, जिससे आपक बॉडी भी फिट रहे।

सोशल मीडिया से दूरी रखें

दिन भर मोबाइल और लैपटॉप चलाने से दिमाग थक जाता है, जिससे टेंशन बढ़ता है। आप हर दिन कुछ समय के लिए स्क्रीन से दूर रहें। इसके अलावा, सोशल मीडिया से थोड़ी दूरी, ईमेल और मैसेज चेक करने का एक अलग टाइम बनाएं। बार-बार नोटिफिकेशन देखने की आदत से मन भटकता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है।

मानसून में इस तरह रखें अपनी आंखों का ख्याल...

मानसून का मौसम जहां एक तरफ ठंडक और राहत लेकर आता है, वहीं दूसरी तरफ यह मौसम कई तरह की बीमारियों को भी ले आता है। नमी और गंदगी की वजह से इस मौसम में आंखों से जुड़ी समस्याएं जैसे संक्रमण, जलन, खुजली, आंखें लाल होना आदि आम हो जाती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप मानसून के दौरान आंखों की विशेष देखभाल करें। आइए जानें आंखों की देखभाल के जरूरी टिप्स।

1 आंखों को बार-बार न छुएं

मानसून में बैक्टीरिया और वायरस जल्दी फैलते हैं। गंदे हाथों से आंखों को छूने पर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हमेशा साफ हाथों से ही आंखों को छुएं या बेहतर हो कि आंखों को बार-बार छूने से बचें।

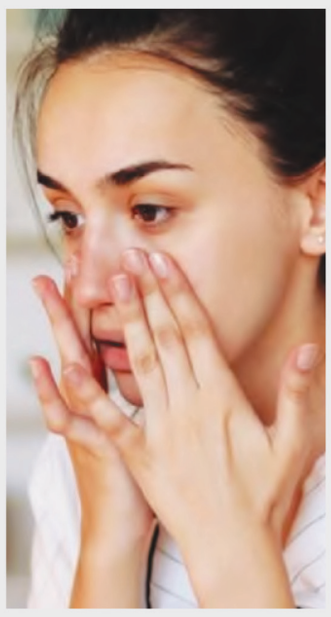

2 आंखों की सफाई का रखें ध्यान

हर दिन सुबह और रात को सोने से पहले साफ पानी से आंखें धोएं। इससे धूल, गंदगी और बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं और संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

3 आंखों में जलन हो तो न घबराएं

अगर मानसून में आंखों में जलन या खुजली महसूस हो तो खुद से आई ड्रॉप डालने से बचें। पहले डॉक्टर से परामर्श लें और उचित दवा का इस्तेमाल करें।

4 कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल सोच-समझकर करें

अगर आप कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं तो मानसून में थोड़ी सावधानी बरतें। बारिश के पानी से लेंस में बैक्टीरिया जा सकते हैं जिससे संक्रमण हो सकता है। बेहतर होगा कि इस मौसम में चश्मे का इस्तेमाल करें।

5 आंखों को गीला न रहने दें

बारिश में भीगने या पानी के संपर्क में आने से आंखें गीली हो जाती हैं। ऐसे में तुरंत साफ कपड़े से आंखों को पोंछ लें, ताकि फंगल इंफेक्शन से बचाव हो सके।

6 आंखों के मेकअप का सही इस्तेमाल करें

मानसून में आंखों के लिए वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करें। खराब या एक्सपायर हो चुके मेकअप प्रोडक्ट से आंखों को नुकसान हो सकता है।

7 पोषण से भरपूर आहार लें

आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आप अपने आहार में विटामिन A, C और E से भरपूर चीजें शामिल करें जैसे गाजर, पालक, आम, दूध आदि।

8 मोबाइल और स्क्रीन टाइम करें कम

बारिश के दिनों में घर के अंदर ज्यादा समय बिताने के कारण लोग मोबाइल, लैपटॉप आदि का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इससे आंखें थक जाती हैं। हर 20 मिनट पर 20 सेकेंड का ब्रेक लें और 20 फीट दूर देखें (20-20-20 रूल)।

9 गॉगल्स पहनें जब बाहर निकलें

अगर तेज हवा या बारिश में बाहर निकल रहे हैं तो आंखों की सुरक्षा के लिए सनग्लासेस या गॉगल्स पहनें ताकि धूल और गंदगी आंखों में न जाए।

10 आंखों में कोई समस्या हो तो डॉक्टर से मिलें

अगर मानसून में आंखों में बार-बार पानी आना, सूजन, या दर्द जैसी समस्याएं हों तो बिना देर किए नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। मानसून में थोड़ी सी सावधानी बरतकर आप अपनी आंखों को संक्रमण और अन्य समस्याओं से बचा सकते हैं। इन आसान टिप्स को अपनाकर अपनी आंखों की सेहत बनाए रखें और इस खुशनुमा मौसम का आनंद बिना किसी परेशानी के लें।

हर सुबह पीना शुरू कर दें खजूर का पानी

खजूर का सेवन हमारे सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, आयरन, पोटैशियम, विटामिन बी-6, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। जब आप नियमित तौर पर खजूर का सेवन करते हैं तो इससे आपको कुछ ही समय में अपने शरीर में कई तरह के चमत्कारी फायदे देखने को मिलते हैं। खजूर का सेवन तो सेहत के लिए फायदेमंद होता ही है लेकिन क्या होगा जब अब रातभर भिगोये हुए खजूर के पानी का सेवन करना शुरू कर देंगे तो? खजूर के पानी के नियमित सेवन से आपके शरीर को होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से आपको बताने जा रहे हैं। चलिए जानते हैं।

■ **पेट के लिए फायदेमंद-** अगर आप नियमित तौर पर खजूर के पानी का सेवन करना शुरू करते हैं,तो इससे आपके पेट को काफी ज्यादा फायदा होता है। इसमें मौजूद फाइबर आपके डाइजेशन को बेहतर करने का काम करता है। अगर आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो आपको नियमित तौर पर खजूर के पानी का सेवन जरूर करना चाहिए।

■ **शरीर को देता है एनर्जी-** अगर आप एक ऐसे इंसान हैं जिसे हमेशा थकावट रहती है या फिर कमजोरी रहती है तो आपको खजूर के पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। जब आप इसका सेवन नियमित तौर पर करना शुरू करते हैं तो आपको कमजोरी और थकावट कुछ ही समय में खत्म हो जाती है।

■ **स्किन के लिए फायदेमंद-** अगर आप चाहते हैं कि आपकी स्किन ग्लोइंग बने तो ऐसे में आपको खजूर के पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। जब आप इसका नियमित तौर पर सेवन करना शुरू करते हैं तो आपको कुछ ही दिनों में अपनी स्किन ग्लोइंग और बेहतर लगने लगती है।

सुबह के समय खाली पेट एक्सरसाइज करना फायदेमंद

पीले हरे और सफेद कद्दू में अंतर

सुबह के समय, खाली पेट वर्कआउट करना आजकल लोगों के बीच एक ट्रेंड बन गया है। लोग सोचते हैं कि इससे उन्हें तेजी से वजन कम करने में मदद मिलेगी और उनका शरीर स्वस्थ रहेगा। हालांकि, फिजियोथेरेपी और एचओडी, आकाश हेल्थकेयर के अनुसार, खाली पेट वर्कआउट के फायदे और नुकसान दोनों हैं।

वजन कम करने में फायदेमंद: जब आप खाली पेट व्यायाम करते हैं, तो आपका शरीर ऊर्जा के लिए फैट का उपयोग करता है। इससे फैट ब्रेकडाउन होता है और आपका वजन तेजी से कम हो सकता है, खासकर यदि आपका वजन अधिक है।

डायबिटीज में फायदेमंद: डायबिटीज के मरीजों के लिए खाली पेट वर्कआउट फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह इंसुलिन रेजिस्टेंस को बढ़ाता है।

खाली पेट वर्कआउट के नुकसान : खाली पेट वर्कआउट करने से शरीर न केवल फैट को बल्कि प्रोटीन को भी ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल कर सकता है, जिससे कुछ संभावित नुकसान हो सकते हैं:

स्टैमिना हो सकता है कम: खाली पेट वर्कआउट करने से आपको कमजोरी महसूस हो सकती है, जिससे आप कसरत पर ठीक से ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते और कई बार तबीयत भी खराब हो सकती है।

मसल लॉस: यह मांसपेशियों के नुकसान का खतरा बढ़ा सकता है, जिससे शरीर की त्वचा और मांसपेशियां ढीली पड़ सकती हैं।

हड्डियां होती हैं कमजोर: खाली पेट व्यायाम करने से हड्डियां भी कमजोर हो सकती हैं।

मेटाबॉलिज्म होता है धीमा: खाली पेट व्यायाम करने से आपका

क्या है डॉ. की सलाह?

डॉ. सलाह देती हैं कि वर्कआउट से पहले कुछ न कुछ जरूर खाएं, भले ही वह थोड़ा सा ही हो। उनके अनुसार, वर्कआउट से पहले एक छोटा लेकिन सही आहार लेने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। उनका मानना है कि खाली पेट वर्कआउट से भले ही वजन तेजी से कम हो, लेकिन यह शरीर में अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, वर्कआउट से पहले आप एक सेब जैसा कोई हल्का स्नैक ले सकते हैं।

पीले, हरे और सफेद कद्दू में अंतर

बाजार में आपको हरा कद्दू मिलता है वो कम पका हुआ होता है। हरे और गोल कद्दू की किस्म पीले और लंबे कद्दू से थोड़ी अलग होती है। इसका स्वाद भी अलग होता है। वहीं पीला कद्दू साइज में काफी बड़ा और हल्का लंबा होता है। इसके बीज भी बड़े होते हैं। पकने पर कद्दू का रंग गहरा पीला और नारंगी सा हो जाता है। ये कद्दू स्वाद में हल्का मीठा होता है। वहीं सफेद रंग का कद्दू को पेठा भी कहा जाता है। इंग्लिश में इसे एशगोर्ड (Ash gourd) यानि सफेद कद्दू लौकी के जैसा होता है। सफेद कद्दू कुकुर्बिता जीन्स और कुकुर्बिता फैमिली का होता है।

सफेद कद्दू में पोषक तत्व

सफेद कद्दू में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की बात करें को इसमें विटामिन ए, विटामिन बी 6, विटामिन सी और विटामिन ई काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। सफेद कद्दू में मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन, फोलेट, नियासिन और थायमिन जैसे मिनरल्स भी होते हैं। सफेद कद्दू को पीले और हरे कद्दू से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

सब्जियों में कद्दू ऑल सीजन वाली सब्जी है। कद्दू का स्वाद भले ही लोगों को कम पसंद आता हो, लेकिन ये गुणों से भरपूर सब्जी है। Gen Z तो कद्दू का नाम सुनते ही नाक मुंह सिकोड़ने लगते हैं। हालांकि कद्दू की सब्जी को अगर थोड़ा मसालेदार और चटपटा बनाया जाए तो इसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा आप कौन सा कद्दू इस्तेमाल कर रहे हैं सब्जी का स्वाद इस पर भी काफी निर्भर करता है। बाजार में हरा, पीला और सफेद रंग का कद्दू मिलता है। लेकिन कई बार लोग कंफ्यूज रहते हैं कि कौन सा कद्दू खरीदें। हरे रंग का कद्दू, पीला कद्दू या सफेद कद्दू कौन सा सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। खरीदने से पहले जान लें।

सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद घी

दादी-नानी के जमाने से घी का सेवन करने की सलाह दी जाती रही है। घी को अक्सर लोग मोटापे के साथ जोड़कर देखते हैं, लेकिन अगर घी को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो घी आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए हर रोज महज एक स्पून घी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त फायदों के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

ब्रेन हेल्थ के लिए फायदेमंद

घी को ब्रेन हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। अगर आप घी से अपने दिन की शुरुआत करते हैं, तो आपके दिमाग पर पॉजिटिव असर पड़ सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि घी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को डिटॉक्सिफाई करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम

क्या आपकी इम्यूनिटी कमजोर है जिसकी वजह से आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो आप अपने इम्यून सिस्मट को मजबूत बनाने के लिए भी घी का सेवन करना शुरू कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि घी न केवल आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

दूर होगी थकान और कमजोरी की समस्या

क्या आपको दिन भर थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है? अगर हां, तो आप घी खाना शुरू कर दीजिए। घी का सेवन करने की वजह से आपको दिन भर एनर्जेटिक फील होगा क्योंकि घी में मौजूद तत्व आपकी बॉडी के एनर्जी लेवल्स को बूस्ट करने में मददगार साबित हो सकते हैं। अगर आप अपनी गट हेल्थ को सुधारना चाहते हैं, तो आप खाली पेट एक स्पून घी का सेवन कर सकते हैं। घी में पाए जाने वाले तत्व पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने बिग बीस्पोक एआई फेस्ट के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस, भारतीय घरों के लिए लेकर आया स्मार्टर और कनेक्टेड लिविंग का तोहफा

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, बिग बीस्पोक एआई फेस्ट के साथ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस मौके पर, कंपनी ने उपभोक्ताओं को अपने घरों को नए और स्मार्ट एआई उपकरणों से अपग्रेड करने के लिए आमंत्रित किया है। यह ऑफर 1 से 17 अगस्त 2025 तक चलेगा और सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज, जैसे रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और माइक्रोवेव पर खास फायदे देगा। ये उपकरण जिंदगी को आसान बनाते हैं और लंबे समय तक चलते है। इसमें कनेक्टेड इंटेलीजेंस का संयोजन आधुनिक डिज़ाइन से किया गया है और ये अब किफायती दामों और खास लाभों के साथ उपलब्ध हैं। बिग बीस्पोक एआई फेस्ट के दौरान, उपभोक्ताओं के पास 25 किलो बीस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो, जो बड़े भारतीय परिवारों के लिए बनाया गया फुल्ली ऑटोमैटिक वॉशर-ड्रायर है, पर 50,000 रुपये तक का कैशबैक पाने का मौका है। सैमसंग अपने फ्लैगशिप फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर विद फैमिली हब पर 20,000 रुपये का कैशबैक भी दे रहा है, जो किचन में व्यक्तिगत खाद्य प्रबंधन, मनोरंजन और कनेक्टिविटी लाता है। बीस्पोक एआई उपकरणों की व्यापक रेंज पर भी आकर्षक बचत उपलब्ध है, जिसमें साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर पर 20,000 रुपये तक, फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन पर 10,000 रुपये तक, टॉप लोड मॉडल पर 4,500 रुपये तक, और फ्रॉस्ट- फ्री रेफ्रिजरेटर पर 7,000 रुपये तक की छूट शामिल है। अपग्रेड को और आसान बनाने के लिए, उपभोक्ता जीरो डाउन पेमेंट के साथ आसान फाइनेंस विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं और सैमसंग की 20/5 फाइनेंस स्कीम के तहत चुनिंदा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन पर ईएमआई ऑफ का विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। इस स्कीम में खरीदार 20 महीने तक बिना किसी अतिरिक्त लागत के ईएमआई चुका सकते हैं, और सैमसंग पहली ईएमआई का भुगतान करता है, जिससे अपग्रेड आसान और किफायती हो जाता है। इसके अलावा, सैमसंग अपने डिजिटल उपकरणों पर उद्योग में अग्रणी वारंटी प्रदान कर रहा है। इसमें रेफ्रिजरेटर में डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर और वॉशिंग मशीन में डिजिटल इन्वर्टर मोटर पर 20 साल की वारंटी, माइक्रोवेव में सिरेमिक इनैमल कैविटी पर 10 साल की वारंटी, और चुनिंदा एयर कंडीशनर पर 5 साल की कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी शामिल है। साथ ही, सैमसंग 5 स्टार रेटेड बीस्पोक एआई विंडफ्रीज़ एसी पर मुफ्त प्रोफेशनल इंस्टॉलेशन भी दे रहा है, जिससे परिवार आराम से बैठ सकते हैं और उनके बिजली बिल में भी बचत होगी।

पति पत्नी और पंगा ङ्क जोड़ियों का रियलिटी चेक को होस्ट करने पर सोनाली बेंद्रे ने कहा: यह शो लव को रोमांटिसाइज नहीं करता—यह उसकी सच्चाई का जश्न मनाता है

नईदिल्ली। अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती सोनाली बेंद्रे कलर्स के आगामी रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा के साथ छोटे पर्दे पर एक होस्ट के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी के साथ सह-होस्ट किया गया यह शो रिश्तों, प्यार और साहचर्य पर एक ताजा और प्रामाणिक दृष्टिकोण पेश करता है। यह शो वास्तविक जीवन के जोड़ों को सामने लाता है, जो मज़ेदार और भावनात्मक रूप से खुलासा करने वाली चुनौतियों की एक श्रृंखला के माध्यम से अपने कच्चे, अनफ़िल्टर्ड केमिस्ट्री का जश्न मनाते हैं। पारंपरिक प्रारूपों के विपरीत, यह पति 1ह्य पत्नी के बारे में नहीं है - यह जोड़े बनाम विषमताओं के बारे में है। यह शो रिश्तों की रोजमर्रा की गतिशीलता को दर्शाता है - हँसी, असहमति, मौन समझ - प्यार को एक परीकथा के रूप में नहीं, बल्कि कुछ वास्तविक और अपूर्ण के रूप में सम्मानित करता है। सोनाली ने अनुभव को बहुत सार्थक बताया ङ्क इस सफ़र में उनके साथ कॉमेडियन मुनव्वर फ़ारूक़ी भी हैं, जिनकी बुद्धि और अप्रत्याशितता इस शो में एक ताज़गी भरी ऊर्जा भर देती है। उनके अलग-अलग व्यक्तित्व एक चंचल और संतुलित मेज़बानी का माहौल बनाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कहानी में दोनों नज़रिए सुने जाएँ। सोनाली के अनुसार, मुनव्वर भ्रमित पतियों के अनौपचारिक प्रवक्ता हैं, जबकि वह पत्नी का नज़रिया सामने लाती हैं, जिससे यह शो न सिर्फ़ मनोरंजक बनता है, बल्कि लोगों से जुड़ाव भी महसूस कराता है। मज़ेदार और भावनात्मक रूप से भरपूर, पति पत्नी और पंगा एक ताज़गी भरी और ईमानदार खोज का वादा करता है कि एक रिश्ते को हमेशा खुश रहने के बाद भी बनाए रखने के लिए क्या करना पड़ता है।

मवेशियों को सड़क पर खुला छोड़ने वाले 25 पशु मालिकों पर 14 हज़ार रुपये जुर्माना

कलेक्टर ने पुलिस, पंचायत, पशुधन और नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

रोड सेफ्टी और घुमंतू पशुओं के प्रबंधन और मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाया जा रहा जॉइंट ऑपरेशन

प्रथम चरण जिले में राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के नजदीक 46 ग्राम पंचायतों और 6 नगरीय निकायों का चिह्नांकन

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। रोड सेफ्टी एवं घुमंतू पशुओं के प्रबंधन और मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा जॉइंट ऑपरेशन चलाकर प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर दीपक सोनी ने आज संपर्क केंद्र में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अभियान की प्रगति की समीक्षा की जिसमें पुलिस,पंचायत,नगरीय निकाय एवं पशुधन विकास विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

अपने मवेशियों को सड़क पर विचरण हेतु छोड़ने वाले अब तक 25 पशुपालकों पर 14 हज़ार रुपये जुर्माना लगाया गया है।

श्री सोनी ने कहा कि अपने मवेशियों को सड़क पर विचरण हेतु छोड़ने वाले पशुपालकों के खिलाफ जुर्माने के साथ - साथ अब पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के 126 और 135 अधिनियमों (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 107/116) में सम्मिलित प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों और नगरीय निकायों में पशु मित्रों/मितान नियुक्त करे तथा रात्रि में अनिवार्य रूप से किसी पशु मितान को रखवाली को जिम्मेदारी दें। उन्होने कहा कि लावारिस और घुमंतू पशुओं के गले में अनिवार्य रूप से रेडियम लगवायें।घुमंतू मवेशियों के दाना पानी की व्यवस्था की ज़िम्मेदारी भी संबंधित ग्राम पंचायत की होगी। उन्होने बताया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों और नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाएगा ।श्री सोनी ने स्थानीय स्तर पर सक्रिय स्वयं सेवियों को भी अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने घुमन्तु पशुओ के कारण सड़क दुर्घटना पर नियंत्रण हेतु पुलिस एवं राजस्व की टीम को लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि अभियान के तहत प्रथम चरण में जिले में राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के नजदीक 46 ग्राम पंचायतों और 6 नगरीय निकायों का चिह्नांकन किया गया है। इस दौरान स ईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

24 एसटी महिलाओं को बरमकेला के पशु चिकित्सालय में दिया गया प्रशिक्षण

अनुसूचित जनजाति की महिला किसानों को 2-2 दुधारु गाय दिए जाएंगे

6 जिलों से पायलेट प्रोजेक्ट की शुरुआत

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) - उप संचालक पशुधन डॉ महेंद्र पांडेय की उपस्थिति में नेशनल डेयरी विकास बोर्ड डेयरी सर्विसेस द्वारा 24 एसटी महिलाओं को बरमकेला के पशु चिकित्सालय में प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण, अनुसूचित जनजाति की महिला किसानों को 2-2 दुधारु गाय देने के पूर्व दिया गया। छत्तीसगढ़ सरकार ने अब आदिवासी जिलों में गाय बांटने का पायलेट प्रोजेक्ट 6 जिलों से शुरुआत किया है, जिसमें सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला भी शामिल है। उप संचालक पशुधन डॉ महेंद्र पांडेय ने जिले के आदिवासी महिलाओं को इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी और कहा कि वे इसका लाभ उठाएं। इस प्रोजेक्ट की सफलता के बाद आने वाले समय में इसका अन्य जिलों में विस्तार किया जाएगा। यह राज्य में डेयरी उद्यमिता को प्रोत्साहन देने, दुग्ध संकलन और प्रसंस्करण में वृद्धि करने के लिए की जा रही है। हितग्राही को इसके लिए, डेयरी सहकारी समिति की सदस्य होनी चाहिए या दूध समिति में शामिल होने और नियमित रूप से दूध प्रदान करने के लिए सहमत हो। पशु आवास सुविधा (कच्चा या पक्का) लाभार्थी के घर में उपलब्ध होनी चाहिए। किसी भी बैंक या स्थानीय सोसायटी में 90 दिनों से अधिक ऋण बकाया नहीं होनी चाहिए। पशुपालन का बुनियादी ज्ञान होना चाहिए या पशु प्रेरण से पहले प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए सहमत होना होगा। केवल अनुसूचित जनजाति महिला ही योजना की पात्र होंगी। दुग्ध महासंघ की डेयरी सहकारी समितियों के बाहर दूध नहीं देंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। 750 नवीन दुग्ध, मत्स्य तथा वनोपज समितियों का गठन किया जा चुका है। एक लाख किसानों का कोआपरेटिव बैंकों में नवीन खाता खोला गया है। दुधारू पशुओं को देने से किसान आर्थिक रूप से भी सक्षम होंगे। दुधारू पशु के अलावा राज्य शासन से शत प्रतिशत अनुदान पर आदिवासी किसानों को नि:शुल्क एक वर्ष तक ''हैंडहोल्डिंग'' सेवाएं भी मिलेगी। इसमें एक वर्ष के लिए बीमा, पशु निगरानी उपकरण, पशु आहार (पशु चारे, खनिज मिश्रण, साइलेज/ चारा) एवं प्रशिक्षण शामिल रहेगा। चयनित परिवार अपनी पसंद से गाय या बकरी खरीद सकते हैं। इसके लिए राज्य सरकार पशु मूल्य का 50 प्रतिशत अनुदान देगी। जबकि लाभार्थी को केवल 10 प्रतिशत योगदान देगा। शेष 40 प्रतिशत बैंक ऋण के रूप में अंशदान होगा, जिसकी किस्त दूध के बिल से समायोजित की जाएगी।

इस अवसर पर राजकिशोर पटेल, डॉ नरेश खुटे, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, मोहम्मद शाहिद कुरेशी पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ, डॉ भारती पटेल पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ अंजू पाणिग्राही, शुभम पंडा, श्वेता कुम्हार सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कोमल प्रसाद पटेल, भोजराम पटेल, टीकाराम नायक पद्मलोचन पटेल चुरावन साहू गजपति पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे।

नकली व मिलावटी खाद्य सामग्री के विरुद्ध जिले में प्रशासन की सख्त कार्रवाई

मुंगेली(समय दर्शन) आगामी रक्षाबंधन त्यौहार को देखते हुए जिले में खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु मिलावटी और नकली खाद्य सामग्री के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। एसडीएम मुंगेली श्रीमती पार्वती पटेल द्वारा गठित खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

अभियान के टीम ने जिला मुख्यालय में वैष्णव मिष्ठान्न भंडार व विष्णु हॉटल पड़ाव चौक, श्रीराम हॉटल एण्ड स्वीट्स व चंद्रशिखा हॉटल दाउपारा, जोधपुरी स्वीट्स बालानी चौक के साथ ही जायसवाल खोवा भंडार फास्टरपुर में खोवा, कुंदा, मिल्क केक, पनीर जैसे दुग्धजन्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता की जांच किया और लूज छेना रसगुल्ला एवं लूज यूज्ड कुकिंग ऑयल और लूज पेड़ा का नमूना लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला

रायपुर भेजा गया। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों व होटल संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों को अखबार में लपेटने व परोसने पर भी सख्त मनाही की गई। साथ ही परिसर में सफाई रखने, हैंड ग्लब्स एवं कैप का उपयोग करने, खाद्य वस्तुओं को ढककर रखने और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि पूर्व में पाए गए अमानक खाद्य मामलों में कार्रवाई करते हुए न्यू साहू जलपान गृह चंद्रखुरी, शिव बाबा श्याम फैमिली ढाबा सरगांव, संगी रेस्टोरेंट पथरिया, मारूति किराना एण्ड जनरल स्टोर्स पथरिया आदि प्रतिष्ठानों पर 01-01 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने आमजनों से अपील की है कि त्योहार के अवसर पर मिठाई व अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी निर्माण विधि, समाप्ति तिथि अवश्य जांचें और केवल प्रमाणित दुकानों से ही सामान खरीदें, जिससे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से बचा जा सके। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती पुष्पा खाखा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने मृत कर्मचारियों के परिजनों को प्रदान किया अनुकंपा नियुक्ति पत्र

मुंगेली(समय दर्शन) जिले के दो दिवंगत शासकीय सेवकों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति के अंतर्गत पटवारी (तृतीय श्रेणी) पद हेतु कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला पंचायत में नियुक्त पत्र प्रदान किया। कलेक्टर कार्यालय (भू-अभिलेख शाखा) मुंगेली द्वारा जारी आदेश के अनुसार, चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित शर्तों के अधीन पटवारी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जारी आदेश के अनुसार, शासकीय महाविद्यालय सरगांव में सहायक ग्रेड-02 के पद पर पदस्थ स्व. चंद्रमणि कोशले का निधन 18 अक्टूबर 2024 को शासकीय सेवा के दौरान हो गया था। उनके पुत्र विरेंद्र कुमार को जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा एवं शासन के निर्देशानुसार अनुकंपा नियुक्ति के अंतर्गत पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया है। इसी तरह कृषि विकास अधिकारी, कार्यालय उप संचालक कृषि, मुंगेली में पदस्थ स्व. भरतराम घृतेश का 02 सितंबर 2023 को निधन हो गया था। उनके पुत्र श्री योगेन्द्र सिंह घृतेश को भी जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा पर पटवारी (तृतीय श्रेणी) पद के लिए उपयुक्त मानते हुए चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत ही अंतिम नियुक्ति दी जाएगी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय और अपर कलेक्टर जी.एल. यादव मौजूद रहे।

सोनी इंडिया ने पेश किया 98-इंच का ब्राविया 5 मिनी-एलईडी टीवी, घर पर लें थिएटर में सिनेमा देखने का आनंद

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज अपने बहुप्रतीक्षित 249 सेमी (98 इंच) वाले ब्राविया 5 के लॉन्च की घोषणा की, जो इसकी मशहूर ब्राविया टेलीविज़न श्रृंखला का सबसे बड़ा और शानदार उत्पाद है। ब्राविया 5 सिर्फटेलीविज़न नहीं है, कंटेंट देखने का बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार एक सिनेमाई कैनवास है। इसकी 98-इंच की विशाल स्क्रीन देखने का आकर्षक अनुभव प्रदान करती है, जबकि कॉग्निटिव प्रोसेसर एक्सआर मानवीय धारणा को प्रतिबिंबित करने के लिए विवरण, रंग और गति को समायोजित करता है। डॉल्बी विज़न और एटमॉस बहुआयामी स्पष्टता और इमर्सिव सराउंड साउंड प्रदान करते हैं जो सिनेमा हॉल के अकूस्टिक का आनंद प्रदान करता है। सोनी पिक्चर्स कोर के साथ, आपका लिविंग रूम निजी स्क्रीनिंग लाउंज बन जाता है, जो स्टूडियो जैसी गुणवत्ता वाली ब्लॉकबस्टर फिल्मों को उनके पूरे सिनेमाई स्वरूप में पेश करता है।

1. 249 सेमी (98 इंच) का ब्राविया 5 उन्नत एआई प्रोसेसर एक्सआर के साथ, बेहतर पिक्चर क्वालिटी वाले दृश्य प्रदान करता है 249 सेमी (98 इंच) के ब्राविया 5 का उन्नत एआई प्रोसेसर एक्सआर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (जो मशीन लर्निंग का उपयोग कर संकेत और डेटा का विश्लेषण करता है) को कॉग्निटिव के साथ जोड़ता है जो लोगों के देखने और सुनने के तरीके के आधार पर कंटेंट को पेश करता है।

मरम्मत राशि में गड़बड़ी की शिकायत पर पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन एसडीओ शिखा पटेल और सब इंजीनियर ए के देवांगन सस्पेंड

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - लोक निर्माण विभाग ने सरायपाली उपसंभाग के तत्कालीन एसडीओ शिखा पटेल और सब इंजीनियर अरविंद कुमार देवांगन को लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह बड़ी कार्रवाई सड़क और भवन मरम्मत राशि में गड़बड़ी मामले को विधानसभा में सरायपाली विधायक चातुरी नंद के द्वारा विधानसभा में उठाने के बाद की गई है। लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के उप सचिव द्वारा जारी आदेश के मुताबिक महासमुंद संभाग अंतर्गत उपसंभाग सरायपाली में साधारण मरम्मत एवं रंगाई-पुताई कार्य में हुए भ्रष्टचार की उच्च स्तरीय जाँच के संबंध में मुख्य अभियंता, लोनिवि परिक्षेत्र रायपुर द्वारा गठित जाँच समिति के जाँच प्रतिवेदन में शासकीय हाई स्कूल

भवन सरायपाली एवं शासकीय हाईस्कूल भवन मंदिर में प्लास्टर मरम्मत एवं पुट्टी कार्य किया जाना नहीं होना पाया गया था। साथ ही ब्लॉक कालोनी एच टाईप क्वार्टर में पुताई का कार्य होना नहीं पाया गया एवं एस.डी.ओ. एग्रीकल्चर क्वार्टर भवन में भी कार्य का होना नहीं पाया गया था। इसी तरह तहसील कार्यालय सरायपाली में कार्य होना नहीं पाया गया, शासकीय कन्या हाईस्कूल सरायपाली में पोस्ट वॉटर प्रुफिंग का कार्य होना नहीं पाया गया तथा पाँच नग एच टाईप क्वार्टर में कार्य होना नहीं पाया गया था। जांच रिपोर्ट के अनुसार शिखा पटेल, तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी, लोनिवि उपसंभाग सरायपाली द्वारा राशि रु. 1.51 लाख का माप दर्ज किया गया एवं अरविंद किशोर देवांगन, तत्का प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी, लोनिवि उपसंभाग सरायपाली द्वारा राशि रू. 12.77 लाख का माप जाँच कुल राशि रू. 14.28 लाख का माप रिकार्ड दर्ज किया गया, जो वास्तव में कार्य होना नहीं पाया गया था। शासन ने इस प्रकार शासकीय राशि का गबन प्रथम दृष्टया पाये जाने एवं सौंपे गये दायित्वो का निर्वहन उचित तरीके से नहीं किये जाने के फ्लस्वरूप छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत शिखा पटेल, तत्का अनुविभागीय अधिकारी, लोनिवि उपसंभाग सरायपाली एवं अरविंद किशोर देवांगन, तत्का प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी, लोनिवि उपसंभाग सरायपाली को निलबित करते हुये उनका मुख्यालय कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, नवा रायपुर अटल नगर में निर्धारित किया जाता है।विदित हो कि विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने सड़क एवं भवन मरम्मत राशि में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया था। विधानसभा में मामला सामने आने के बाद लोक निर्माण विभाग की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। इससे पहले भी विधायक चातुरी नंद के विधानसभा में गौरव पथ निर्माण का भ्रष्टाचार उजागर करने के बाद नगर पालिका के तत्कालीन सीएमओ और सब इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया था।

खबर-खास

पूर्व शिक्षा अधिकारी स्व. पं. सत्यप्रकाश चौबे की पूण्य तिथि पर शाला परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित किए

रायपुर। मूनलाईट इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल एवं भारतीयम हायर सेकेण्डरी स्कूल के संस्थापक एवं पूर्व शिक्षा अधिकारी स्व.पं.सत्यप्रकाश चौबे जी की पूण्य तिथि पर शाला परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित किए इस अवसर पर शाला संचालक सुधीर कुमार चौबे ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला इस अवसर पर शाला के शिक्षक शिक्षिका एवं अन्य कर्मचारी में प्राचार्य श्रीमती गोमती साहू ,प्राचार्या श्रीमती ललिता दास श्रीमती प्राची मिश्रा,जीवराखन महानंद, विजय दुबे,रूबी बिलको,रीना दास,मोहन राव, उर्मिला सोनबेर, निर्मला साहू ,डाली धुरंधर,सुनीता गिलूलकर,किरण बंजारे, मंदाकिनी निषाद,अल्का नागरिया,मिथलेश वर्मा,डाकेश्वरी पाठक,अंजूलता ठाकुर,मनीषा उकंडे, दीपिका शुक्ला, श्रद्धा शर्मा,मीना जोशी, प्रियंका रात्रे, अनिता काटेवार, शशि कला ठाकुर , एलिशा हियाल, साक्षी पिल्ले, सारिका वर्मा, रश्मि वर्मा कल्पना, पूर्वी साठे, प्रतिष्ठा मिश्रा, पारूल मेहता,पूनम राजपूत, लक्ष्मी राव,रावना राव खुशी राव,पार्वती राव,गुंजा यादव, रूखमणी करामत गुंडाधर तांडी एवं शाला के छात्र/छात्रा उपस्थित रहे।

राखी के धागों से जुड़ी आत्मनिर्भरता की डोर

गरियाबंद। जिले के मैनपुर विकासखंड के अमलीपदर संकुल की स्व-सहायता समूह की महिलाएं रक्षाबंधन पर्व को आजीविका से जोड़कर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रही हैं।इन समूह की दीदियों द्वारा रेशम के धागे,धान,चावल,मूंग,मोती एवं अन्य सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर हस्तनिर्मित पर्यावरण-सुरक्षित राखियों का निर्माण किया जा रहा है।यह कार्य न केवल पारंपरिक कला को जीवित रखता है,बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त भी बना रहा है।रक्षाबंधन के अवसर पर इन राखियों की स्थानीय बाजार में मांग तेजी से बढ़ी है।राखी की बिक्री स्थानीय स्तर पर स्वयं समूह की महिलाओं द्वारा ही की जा रही है। इसके अलावा,यह राखियाँ महिलाओं द्वारा संचालित दुकानों में भी बिक्री के लिए रखी गई हैं। इससे महिलाओं को न केवल अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है,बल्कि उनमें सामूहिक प्रयास, रचनात्मकता और आत्मसम्मान की भावना भी विकसित हो रही है।रक्षासूत्र अब केवल प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक नहीं,बल्कि गांव की महिलाओं की मेहनत और सफलता भी बन चुकी है।

नाम परिवर्तन

मै टीकाराम यादव पिता श्री रामदुलार यादव, उम्र 45 वर्ष, निवासी मकान नं.- 266, शारदा पारा, दुर्गा मंदिर चौक, वार्ड नं 23, केम्प 02, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) , मेरी पुत्री उर्मी यादव (**Urmi Yadav**), की जन्म तिथि 25/02/2007 है जो कि सत्य एवं सही है।मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड जारी हुआ है जिसमें उसका नाम उमा यादव (uma Yadav), दर्ज है जो कि गलत हैं। मेरी पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र शैक्षणिक अंकसूची, जारी हुआ है जिसमें उसका नाम उर्मी यादव (Urmi Yadav), दर्ज है कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम उर्मी यादव (Urmi Yadav), है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका सही एवं वास्तविक नाम उर्मी यादव (Urmi Yadav), दर्ज किया जावें। शासकीय गजट प्रकाशन में मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम उर्मी यादव (Urmi Yadav) दर्ज करवाना चाहता हूँ। जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

महात्मा गांधी नरेगा और स्वच्छ भारत मिशन से बदली गांव की तस्वीर

ग्राम खरहरी बना क्लीन एंड ग्रीन विलेज

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय गरियाबंद से लगभग 18 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत खरहरी के ग्रामीणों के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं स्वच्छ भारत मिशन के सफल क्रियान्वयन से एक नई पहचान बनाई है। इस गाँव के ग्रामीणों ने स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी के प्रयास के कारण अन्य गांवों के लिए उदाहरण बन चुका है। यहां की स्वच्छाग्रही महिलाओं के समूह ने गांव की सफाई और कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालकर न सिर्फ पर्यावरण की सुरक्षा की दिशा में काम किया है,बल्कि आजीविका के नए साधन भी विकसित किए हैं।गांव में सेग्रीगेशन शेड का निर्माण मनरेगा के अंतर्गत हुआ,जहां सूखा कचरा (लोहा, प्लास्टिक,पेपर,कॉर्टून आदि) छांटकर कबाड़ी को बेचा जाता है,और गीले कचरे से जैविक खाद तैयार की जाती है, जिसका उपयोग पौधरोपण में होता है।प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गांव में जॉब कार्डधारियों की संख्या 340 है,जिसमें श्रमिकों की संख्या 714 है। इनके द्वारा गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना एवं गांव गली,मोहल्लों को साफ व स्वच्छ रखने के लिए सहयोग किया जा रहा है। प्रत्येक घर से सप्ताह में दो बार ट्रायसिकल के माध्यम से कचरा संग्रहण,मासिक स्वच्छता शुल्क 10 रूपये तथा ग्राम पंचायत से 6 हजार रूपये के सहयोग राशि इस पूरी व्यवस्था को निरंतर बनाए रखा है। गांव के सरपंच जगदीश राम और ग्रामीण नंदनी साहू ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिलाओं के प्रयास से गांव में बदलाव आया है।अब लोग स्वच्छता को गंभीरता से लेने लगे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि खरहरी में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत गांव की स्वच्छाग्रही समूह की महिलाओं द्वारा विगत 01 वर्ष से गांव में फैले हुए कुड़ा कचरा,नालियों की गंदगी को देखकर अपने गांव की साफ सफाई करने की योजना बनाई गई। पंचायत के माध्यम से गांव में सेग्रीगेशन शेड़ बनाने के लिए एवं उससे होने वाले लाभों को ग्राम सभा में ग्रामीणों के द्वारा जानकारी दी गई। जिसे ग्राम सभा में उपस्थित नागरिकों ने सहमति प्रदान की। मनरेगा के माध्यम से सेग्रीगेशन शेड़ की स्वीकृति के पश्चात् कार्य को समय-सीमा में पूर्ण किया गया।

इसके पश्चात ग्राम पंचायत में स्वच्छाग्रही समूह की महिलाओं द्वारा किये गये कार्य से गांव में फैले प्लास्टिक कचरा तथा गांव की गलियों में गंदगी कम हुई है,जिससे ग्राम खरहरी क्लीन एण्ड ग्रीन विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है तथा गांव में स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता आया है। गांव में नियमित साफ-सफाई हो रही है। स्वच्छाग्रही समूह द्वारा घर-घर से संग्रहण किये गये कचरा को अलग कर शेड़ में संधारित कर छंटनी कर सुखा कचरा यथा-लोहा,प्लास्टिक,पेपर,कॉर्टून इत्यादि को कबाडी में बेंच कर अतिरिक्त आमदनी कमा रहें है। गीला कचरा साग सब्जियों के डंटल,पेड़ पौधों के पत्तियों को सेग्रीगेशन शेड़ के समीप बने नाडेप में संग्रहित कर खाद के रूप में तैयार किया जा रहा है। ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छाग्रही समूह को मासिक सहयोग राशि दिया जाता है,साथ ही स्वच्छता कीट के रूप में मास्क,ग्लब्स, एप्रान,बुट,कैप,हैण्डवास,डस्टबीन,धमेला, झाड़ू दिया गया है।स्वच्छाग्रही समूह द्वारा घर-घर से संग्रहण किये गये कचरा को पृथक्करण शेड़ में संधारित कर छंटनी कर सुखा कचरा यथा-लोहा,प्लास्टिक, पेपर,कॉर्टून इत्यादि को कबाड़ी में बेंच कर अतिरिक्त आमदनी कमा रहे है। स्वच्छाग्रही समूह की महिलाओं द्वारा किये गये कार्य से गांव की गलियों में गंदगी कम हुई है, जिससे ग्राम खरहरी क्लीन एण्ड ग्रीन विलेज के रूप में विकसित हो रही है तथा गांव में स्वच्छता के प्रति लोगो में जागरूकता आया है।

डेवलपमेंट और लीडरशिप पर प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान द्वारा पीएचएफ और दसरा के सहयोग से 28 से 30 जुलाई 2025 तक तीन दिवसीय यूथ लडकियों का स्किल डेवलपमेंट और लीडरशिप पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होटल सिटी रेजेन्सी गरियाबंद में किया गया,जिसमें छुरा एवं गरियाबंद ब्लॉक से 40 प्रतिभागी प्रशिक्षित हुए 7 प्रशिक्षण में सच्चिदानंद और मलय द्वारा यूथ को अपने अपने परिचय से शुरू किये जिसमे अपने अपने 3 गुण लिखने के कहा गया फिर अपने -अपने गाँव के बारे में लिखने के लिए कहा गया तो उसमे ज्यादातर गाँव की कमियां लिखे जिस पर अपने गाँव की अच्छाई को लिखने की स्किल पर जानकारी दिया गया।फिर मै कौन हूँ ङ्क इसके अंतर्गत अपने आप को पहचानने के बारे में खेल व कहानी से समझ विकसित किया गया।अपने अंदर छुपे स्किल को पहचानने की जरुरत है।गुड लिसनिंग तथा बेड लिसनिंग पर चित्र,खेल के माध्यम से बताया गया,हमेशा हमें अच्छा सुनना चाहिए।सभी प्रतिभागी को जीवन जीने की कला,अपने स्किल को कैसे बढ़ा सकते है इस पर फोकस करते हुए जानकारी दिया गया।अंतिम दिवस नेत्रित्व विकास के बारे में समझ विकसित करते हुए अच्छा आचरण के गुण पर फोकस किया गया।प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के खेल,रोल प्ले,गीत,नाटक के माध्यम से इस प्रशिक्षण को मजेदार बनाया गया जिससे सभी प्रतिभागी बहुत उत्साह पूर्वक अपनी क्षमता बढाया।सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण के अंत में बहुत ही खुलेपन महसूस किये और जो नहीं बोल पा रहे थे वे भी बोलना शुरू किये,संस्थान के सचिव लता नेताम द्वारा सभी का धन्यवाद किये।प्रशिक्षण में संस्थान के सभी स्टाफ उपस्थित रहे तथा संस्थान के प्रबंध कारिणी सदस्यों में से भी प्रशिक्षण में भाग लिए ।

सहा.उपनिरीक्षक भूखन लाल कुर्रे का सेवानिवृत्त होने पर साल, श्रीफल एवं प्रतिक चिन्हा भेंट कर विदाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। सहा.उपनिरीक्षक भूखन लाल कुर्रे का आज पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने पर गरियाबंद पुलिस परिवार की ओर से ससम्मान दी गई विदाई दिया गया।इस दौरान गरियाबंद पुलिस परिवार की ओर से सउनि0 भूखन लाल कुर्रे को साल,श्रीफल एवं प्रतिक चिन्हा भेंट किया गया। 31जुलाई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में अति0 पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर,उप पुलिस अधीक्षक गरिमा दादर,उप पुलिस अधीक्षक गोपाल वैश्य,रक्षित निरीक्षक सनत कुमार ठाकुर के साथ अन्य अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में सहा0 उप निरीक्षक भूखन लाल कुर्रे का पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने पर गरियाबंद पुलिस की ओर से साल , श्रीफल,प्रतीक चिन्ह के साथ ससम्मान विदाई एवं सम्मान दिया गया।भूखन लाल कुर्रे ग्राम भटगांव,थाना बिलाईगढ,जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ का रहने वाला है। जिसका पुलिस विभाग में सन् 1984 में जिला रायपुर में पुलिस आरक्षक के पद पर नियुक्त हुआ था।सन् 2006 में प्र0आरक्षक के पद पर पदोन्नत हुए साथ ही वर्ष 2013 बेहतर कार्य का प्रदर्शन करते हुए सहायक उप निरीक्षके पद पर पदोन्नत हो कर कार्य कर रहे थे।24 अगस्त 2010 से आज दिनांक तक गरियाबंद जिले के विभिन्न थानों एवं पुलिस लाईन में पदस्थत रह कर अब तक सेवा दिये।अपने सेवा काल के दौरान पुलिस विभाग में ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठता के साथ अपनी सेवा दिये। जिससे गरियाबंद पुलिस परिवार उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्वल भविष्य की कामना किए।

जल ही जीवन है इसे व्यर्थ न बहायें...

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक - 1, संतोषी नगर खमतराई पानी टंकी
E-mail: rmczone1@gmail.com

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 23/न.पा.नि./जोन क्र. 1 /2025 रायपुर, दिनांक 31.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सीलंबद निविदायें एस.ओ. आर दर के आधार पर दो लिफाफा पध्दति में दिनांक 22 / 08 / 2025 तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्र. 01, में कार्यालयीन दिवस में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांक 13/08/2025 शाम 4:00 बजे तक आवेदन के साथ निर्धारित राशि जमा करने उपरांत दिनांक 14/08/2025 को निविदा प्रपत्र जारी किये जायेगें। प्राप्त निविदायें दिनांक 25/08/2025 को दोपहर 12.00 बजे तक उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी ।

प्रथम आमंत्रण सूचना

क्र.	कार्य का नाम	मद का नाम	अनुमानित व्यय (लाख में)	अमानति राशि (रूपए में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा प्रपत्र	समयावधि	एस.ओ.आर. / अन्य पंजीयन	ठेकेदार श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	संत कबीर दास वार्ड क्र.03 अंतर्गत वार्ड के विभिन्न स्थानों पर जर्जर नाली एवं पुलिया का पुनर्निमाण कार्य।	सड़क बाधा/ संधारण मद	3.95	4000.00	750.00	A	02 माह	PWD Building Road SOR 01.01.15 & Ammendment	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
02	संत कबीर दास वार्ड क्र.03 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर बरसात में कच्चे सडक मार्ग गडढ़ो में जलभराव / दुर्घटना की आशंका को देखते हुये उक्त स्थलों पर डस्ट / बजरी फिलिंग कार्य।	संधारण मद	3.98	4000.00	750.00	A	02 माह	PWD Road SOR 01.01.15 & Ammendment	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
03	संत कबीर दास वार्ड क्र.03 अंतर्गत गोगॉव बंधवा तालाब एवं तीन तरिया तालाब के किनारे दो स्थानों पर स्थायी कण्ड कार्य ।	सड़क बाधा/ संधारण मद	1.38	3000.00	300.00	A	02 माह	PWD Building SOR 01.01.15 & Ammendment	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
04	संत कबीर दास वार्ड क्र.03 अंतर्गत गोगॉव डांडेपारा बस्ती मंदिर के पास पुलिया एवं नाली मरम्मत / निर्माण कार्य ।	सड़क बाधा/ संधारण मद	2.44	3700.00	750.00	A	02 माह	PWD Building SOR 01.01.15 & Ammendment	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
05	संत कबीर दास वार्ड क्र. 03 अंतर्गत गोगॉव डांडेपारा मोहल्ला चिरईपारा बस्ती में खुले कुँए की सफाई एवं जाली लगाने का कार्य ।	सड़क बाधा/ संधारण मद	0.840	3000.00	300.00	A	01 माह	PWD Building SOR 01.01.15 & Ammendment	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
06	यतियतन लाल वार्ड क्र. 04 अंतर्गत बजरंग चौक के पास सी.सी.रोड संधारण कार्य ।	संधारण मद	0.86	3000.00	300.00	A	01 माह	PWD Building SOR 01.01.15 & Ammendment	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
07	जोन क्रमांक 01 अंतर्गत वार्ड क्र. 15, 16, 17 एवं 18 में पावर पंप रिपेयरिंग कार्य।	संधारण मद	4.00	6000.00	750.00	B	कार्य समाप्ति तक	NON SOR	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
08	जोन क्रमांक 01 अंतर्गत वार्ड क्र. 03, 04, 05 में पावर पंप रिपेयरिंग कार्य।	संधारण मद	4.00	6000.00	750.00	B	कार्य समाप्ति तक	NON SOR	ई रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर

निविदा की शर्तें:-
1. कार्य से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 01 से प्राप्त की जा सकती है एवं वेबसाईड www.nagarnigamraipur.nic.in से डाऊनलोड किया जा सकता है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक- 01
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 18 वर्ष 2025-26

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	ना.प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/ आपत्ति की जानी है
514	514	सुगंधा बालोनकर/ मुकुल बालोनकर, मुकुल बालोनकर/ स्व. बी.आर. बालोनकर	मे. मध्यानी बिल्डर्स, देवेन्द्र मध्यानी/ खेमामल मध्यानी	वार्ड कं. 52 बोरसी (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
515	515	दिपक लिलाराम कटरे/ लिराम कटरे	अनिल कुमार सिंह/राम बहादुर सिंह	वार्ड क्रं. 16 सिकोला बस्ती उत्तर, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
516	516	हीराबाई देवांगन/ दयाकर देवांगन	मनीराम भीमटे/ आशाराम भीमटे	वार्ड कं. 13 पुराना आपापुरा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
517	517	जसपाल सिंह/ परमजीत सिंह, मनजीत कौर/ परमजीत सिंह	परमजीत सिंह/ तरसेम सिंह	वार्ड कं. 60 कातुलबोर्ड पश्चिम, दुर्ग	ऋणपुस्तिका, मृत्यु प्रमाण पत्र
518	518	आकाश चंदेश्वर/ राम नारायण चंदेश्वर	मंजू शुक्ला/ लवकुश शुक्ला	वार्ड कं. 57 उरला पश्चिम दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
519	519	मंजू सोनी/ नरेन्द्र कुमार सोनी, मंजूषा सोनी/ ओम नारायण सोनी	आदेश सिंह वर्मा/ जयंत सिंह वर्मा	वार्ड कं. 54 पोटियाकला दक्षिण दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
520	520	राधाबाई यादव/ बहादुर यादव	दुलारी बाई/ उमेन्द्र सिंह यादव	वार्ड कं. 10 शंकरनगर पश्चिम दुर्ग	ऋणपुस्तिका, मृत्यु प्रमाण पत्र
521	521	मां भारती सृजन भागीदार गोपाल गांधी/ सत्यनारायण गांधी, अमित तापड़िया/ भागीरथ तापड़िया, रामदेव टावरी/ त्रिलोकचंद टावरी, रोशनलाल जैन/भंवर लाल जैन	बाबु ग्वालदास महतो	वार्ड कं. 36 गंजपारा दुर्ग	नजूल जांच अधिकारी दुर्ग छ.ग. का आदेश दिनांक 02.01.2025
522	522	मोहम्मद गनी खान, मो. रफीक खान, मो. शकील खान तीनो के पिता स्व. मो. उस्मान	मोहम्मद उसमान/ स्व. अनवर हुसैन	वार्ड कं. 41 केलाबाड़ी दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं फार्म बी 1, पी 2
523	523	रवि कुमार यादव/ सीताराम यादव	सुमीत सोनकर/ स्व. रामगुलाल सोनकर	वार्ड कं. 58 उरला पूर्व दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
524	524	जी. प्रमोद/ स्व. पी. गोविन्दन कुट्टी	पी. जी. कुट्टी/ पी.के. पणिकर	वार्ड कं. 49 बोरसी पश्चिम दुर्ग	तहसीलदार दुर्ग छ.ग. का आदेश दिनांक 07.07.2025
525	525	अनिता मानिकपुरी, ललिता दास, मालती मानिकपुरी, ज्योति मोनिकपुरी तीनो के पिता स्व. मंगल दास	कमला बाई/ मंगलदास मानिकपुरी	वार्ड क्र. 23 दीपक नगर दुर्ग	अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग छ.ग. का आदेश दिनांक 22.09.2023
526	526	हाशिम मंसूरी/ रऊफ मंसूरी	शबनम परवीन अशरफी/ शेख सिराजुद्दीन अशरफी	वार्ड क्र. 41 केलाबाड़ी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
527	527	विक्रांत शर्मा/ नरसिंह लाल शर्मा	शोभा साहू/ पिता स्व. मैकुलाल साहू/ ध.प. स्व. रविन्द्र साहू	वार्ड क्र. 37 आजाद वार्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
528	528	लास्ट माईल एक्सपेरीटाईस प्रा.लि./ मोनिका अजय मनसुखानी पति अजय मनसुखानी	निलेश वासुदेव पाठक/ स्व. वासुदेव नटवर लाल पाठक	वार्ड क्र. 60 कातुलबोड पश्चिम दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
529	529	सीमा सेन/ राजीव सेन	चन्द्रिका बाई/ गिरजा शंकर वर्मा	वार्ड क्र. 09 स्वामी विवेकानंद दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
530	530	नरेश कुमार बजाज/ स्व. मोरूमल बजाज	हरजीत कौर/ अजीत सिंह	वार्ड क्र. 24 दीपक नगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
531	531	अभिषेक तिवारी/ शिव कुमार तिवारी	सुषमा तिवारी/ शिवकुमार तिवारी	वार्ड क्र. 18 औद्योगिक नगर दक्षिण दुर्ग	अध्यक्ष तृतीय वर्ग शास. कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या., जवाहर नगर दुर्ग छ.ग. का आदेश दिनांक 18.07.2025
532	532	मंजू सोनी/ स्व. हरीहर सोनी	हरीकर प्रसाद सोनी/ जीवराखन सोनी	वार्ड क्र. 18 औद्योगिक नगर दक्षिण दुर्ग	अध्यक्ष तृतीय वर्ग शास. कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या., जवाहर नगर दुर्ग छ.ग. का आदेश दिनांक 11.07.2025
533	533	जितेन्द्र कुमार/ रिखीराम	रूनुबाला नाग/ स्व. सेमसन नाग	वार्ड कं. 16 सिकोला बस्ती उत्तर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
534	534	युगल किशोर/ झल्लुराम	ममता देवांगन/ टिकेन्द्र कुमार देवांगन/ झल्लूराम देवांगन	वार्ड कं. 53 पोटियाकला उत्तर दुर्ग	दानपत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

आओ सखी सावन में' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

■ छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग सदस्य सरला कोसरिया के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ रंगारंग आयोजन

महासमुंद(समय दर्शन)। नगर पालिका टाउन हॉल महासमुंद में बुधवार को आओ सखी सावन में कार्यक्रम का रंगारंग और भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अपराजिता क्लब महासमुंद एवं द एसोसिएशन ऑफ ङ्ख्श्व क्लब्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर की सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर उत्साहपूर्वक भाग लिया और सावन के इस पर्व को संस्कृति और सजीवता से सराबोर कर दिया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं गायत्री परिवार की समाजसेवी सरला कोसरिया रहीं। उन्होंने महिलाओं को सावन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि, ࿕इस तरह के आयोजनों से हमारी परंपरा और लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सहायता मिलती है और महिलाओं को आत्मबल और सहभागिता का अनुभव होता है। कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने झूला झूलने, लोकगीत गाने, पारंपरिक नृत्य और खेलकूद जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेष रूप से आदिवासी परिधानों में सजी महिलाओं की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ङ्ख्श्व क्लब्स ऑफइंडिया की महिलाओं ने इस अवसर पर सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने वाले संदेश भी दिए। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पूरा आयोजन महिला सशक्तिकरण, संस्कृति संरक्षण और आपसी सौहार्द का प्रतीक बनकर उभरा।

संक्षिप्त-खबर

टरीपार वार्ड 57 एवं 58 मे समस्या समाधान शिविर मे हुआ त्वरित निराकरण

दुर्ग / समय दर्शन / नगर निगम द्वारा सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज पटरीपार वार्ड 57 एवं 58 हेतु शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं कामकाज में पारदर्शिता हेतु समाधान शिविर का आयोजन 31 जुलाई को आई एच् एस डी पी आवास के कक्ष में आयोजित किया गया !पटरीपार वार्ड 57 एवं 58 मे समस्या समाधान शिविर मे हुआ त्वरित निराकरण. शिविर में नगर निगम से सम्बंधित शिकायतों एवं योजनाओं के लिए शिविर का आयोजन किया गया था.शिविर में स्वास्थ्य, राशन, निराश्रित पेंशन, बाजार, आवास, जल, भवन, विद्युत, आयुष्मान,स्वनिधि आदि विभाग द्वारा लाभान्वित करने आवेदन प्राप्त हुए. मोबाईल मेडिकल यूनिट स्वास्थ्य 80, आयुष्मान एवं स्वनिधि 08 हितग्राही लाभान्वित हुए. इसके अतिरिक्त राशन कार्ड, विद्युत, आवास, स्वास्थ्य, जल, पेंशन आदि के आवेदन प्राप्त हुए !शिविर के अवसर पर उपस्थित नोडल अधिकारी व उपायुक्त मोहेंद्र साहू, थान सिंग यादव, नारायण यादव के साथ शिविर का निरीक्षण कर नागरिकों की समस्यायो को सुना और निराकरण हेतु आश्वासन दिया.इस अवसर पर पार्षद रेशमा सोनकर, पार्षद सरस निर्मलकर सहित निगम अधिकारी /कर्मचारी गण मौजूद रहे।

8 लोगो को अनुकंपा नियुक्ति एवं 19 हितग्राहियों को आवास आबंटन किया गया

भिलाईनगर (समय दर्शन)। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, एमआईसी सदस्य संदीप निरंकारी एवं सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह के उपस्थिति में 8 लोगो को अनुकंपा नियुक्ति पत्र एवं 19 हितग्राहियों को लाटरी के माध्यम से आवास आबंटित किया गया। छत्तीसगढ शासन सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन के आदेशानुसार निकाय स्तर पर अनुकंपा नियुक्ति हेतु गठित छानबीन समिति बैठक दिनांक 28.07.2025 अनुसार अनुकंपा नियुक्ति की गई है ।कार्यरत अधिकारी/कर्मचारियों की मृत्यु होने पश्चात उनके पत्नि या बच्चे को नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान है। नगर निगम भिलाई में कार्यरत नियमित कर्मचारी जिनका पूर्व में किसी कारणवश मृत्यु हो गया है। उनके स्थान पर उनके परिवार के 8 लोगो इन्द्राणी चंद्राकर को समयपाल/कार्य सहायक ग्रेड-02, हर्षवर्घन दुबे, हर्षवर्घन श्रीवास, मोहम्मद वसीम, सबीता बाघमारे, रेखा महिलांग, मंजू बाई मानिकपुरी, अमिषा घनघोरकर को भृत्य के पद में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। इन सभी को प्रशिक्षण पश्चात अलग-अलग विभागों में दायित्व सौंपा जाएगा। पीएम आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत आवासों का निर्माण किया गया है। किरायेदारी के रूप में निवासरत नागरिको से आवास हेतु आवेदन प्राप्त हुआ था। जिसका जिला स्तरीय समिति से सक्षम स्वीकृति पश्चात मकान का 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा करने वाले 21 हितग्राहियों को लाटरी में शामिल होने सूचना पत्र दिया गया था। जिसमें से कुल 19 हितग्राहियों को लाटरी के माध्यम से आवास आबंटित किया गया है। स्थल कृष्णा इंजीनियरिग कालेज के पीछे खम्हरिया 02 मकान, सूर्याविहार के पीछे खम्हरिया 08 मकान, वंदे मातरम कुरूद 09 मकान कुल 19 आवासों का आबंटन किया गया है।

आवास आबंटन के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी अजीत तिग्गा, कार्यपालन अभियंता वीनिता वर्मा, आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन, नम्रता सिंह ठाकुर, जागेश्वर साहू, महेत्तर सोनी, थलेश्वर जोशी, सी.एल.टी.सी. किरण चतुर्वेदी, आदित्य ठाकुर, उत्पल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

निधन : जीवनलाल चंद्राकर

दुर्ग। गिरधारी नगर दुर्ग निवासी सेवानिवृत्ति पोस्टमैन जीवनलाल चंद्राकर का आकस्मिक निधन 75 वर्ष की उम्र में बुधवार को हो गया जिनके अंतिम संस्कार का कार्यक्रम गुरुवार को हरना बांधा मुक्तिधाम में किया गया।वे स्वर्गीय भुवन लाल चंद्राकर, पूरन लाल चंद्राकर तोरण लाल चंद्राकार, किशन लाल चंद्राकार के भाई देवेंद्र चंद्राकर, हितवादा प्रेस में कार्यरत मनोज चंद्राकर, देशबंधु प्रेस में कार्यरत रामानुज चंद्राकर के पिता एवं सुनील न्यूज एजेंसी के संचालक सुनील, संजय चंद्राकर के चाचा तथा जयप्रकाश ,ओमप्रकाश, दीपक चंद्राकर के बड़े पापा थे

अमित चौधरी हत्याकांड का खुलासा, पिथौरा पुलिस के हत्थे चढ़ेआरोपी

■ 5 दोस्तों ने मिलकर की थी बेरहमी से हत्या

■ आरोपियों ने मिलकर दिया था वारदात को अंजाम

■ पुलिस से बचने शव को रेत में दबाया गया था

■ कौडिया नाला में युवक की निर्मम हत्या

पिथौरा (समय दर्शन)। थाना पिथौरा क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ 30 वर्षीय युवक अमित चौधरी की धारदार हथियार और डंडे से हत्या कर शव को कौडिया नाला में रेत के नीचे दबा दिया गया। पुलिस ने इस जघन्य अपराध का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

मृतक अमित चौधरी, निवासी वासुदेव पारा, लाखागढ़, 25 जुलाई की रात से लापता था। परिजनों द्वारा गुम इंसान की रिपोर्ट थाना पिथौरा में दर्ज कराई गई थी। 29 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम कौडिया नाला के पास रेत के नीचे किसी का शव दफ्नाया गया है। सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी, एसडीएम पिथौरा, पुलिस अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पूछताछ में आरोपी पोखराज उर्फराज तिवारी ने हत्या की बात कबूलते हुए बताया कि उसने अपने चार अन्य साथियों ङ्क राकेश उर्फरॉकी ध्रुव, वेद प्रकाश साहू, प्रेमंत बसंत और भूपेश बसंत उर्फ चिंटू के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते अमित चौधरी पर हमला किया।

सभी ने मिलकर डंडा और फावड़े से वार कर उसकी हत्या की और शव को रेत में दबा दिया।

मौके पर शव को उत्खनन कर निकाला गया, जिसकी पहचान मृतक के भाई अमन चौधरी ने की। शव के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर धारा 103(1), 3(5), 238 बीएनएस के तहत हत्या का अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

युक्तियुक्तकरण से छात्रों को मिले विषय विशेषज्ञ शिक्षक : बच्चों में बढ़ रहा है शिक्षा का स्तर

दुर्ग, (समय दर्शन)/ राज्य शासन द्वारा शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की पहल अब ग्रामीण शिक्षा में नई क्रांति ला रही है। जिले के धमधा ब्लॉक के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टेमरी में इस प्रक्रिया के तहत जीवविज्ञान विषय के नए शिक्षक की पदस्थापना की गई है, जिससे विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टेमरी में पढ़ने वाले कक्षा 11वीं के छात्र सोमनाथ निषाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताते हैं, पहले हमारे स्कूल में जीव विज्ञान के लिए कोई अलग से शिक्षक नहीं थे। हमें जीव विज्ञान या तो सीनियर छात्र समझाते थे या फिर दूसरे विषयों के शिक्षक समझा दिया करते थे, जिसकी वजह से विषय समझना पहाड़ तोड़ने जैसा लगता था। युक्तियुक्तकरण से अब हमें विषय विशेषज्ञ शिक्षक मिल गए हैं और अब विषय आसान लग रहा है। अब हमें विज्ञान के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ता। इस बदलाव के लिए हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का दिल से धन्यवाद करते हैं।࿕ विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के बाद विद्यालय में शिक्षण कार्य में अभूतपूर्व सुधार आया है। अब प्रत्येक विषय के लिए योग्य और प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध हैं, जिससे छात्रों को पढ़ाई में सही दिशा और मार्गदर्शन मिल रहा है। कक्षा 11वीं के छात्रों को अध्यापन हेतु विषय-विशेषज्ञ शिक्षक के रूप में श्रीमती दीप्ति मालवीय मैडम ने विद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया है, जिससे बच्चों को विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय में विशेष एवं गहन मार्गदर्शन मिल रहा है। इस बदलाव का असर बच्चों की नियमित उपस्थिति में भी साफदिख रहा है। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि यह पहल खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। अब छात्र बिना किसी बाहरी मदद के, कक्षा में ही सभी विषयों की गहराई से पढ़ाई कर पा रहे हैं। ज्ञात हो कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों का सही जगहों पर पुनर्विनियोजन करना है, ताकि उन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी पूरी हो सके, जहाँ उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। यह कदम न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है, बल्कि इससे विद्यार्थियों के उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य को भी मजबूत आधार मिल रहा है।

भ्रष्ट पंचायत सचिवो को संरक्षण देने के आरोपो में घिरे सीईओ एस. आलोक हटाए गए

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 29 जुलाई को जारी आदेश के तहत हेमंत रमेश नंदनवार (आइएएस) को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला महासमुन्द के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री नंदनवार की नियुक्ति ऐसे समय मे की गई है, जब पूर्व सीईओ सच्चिदानंद आलोक के कार्यकाल पर कई प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामले को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे।

पूर्व सीईओ एस. आलोक को 25 अक्टुबर 2021 को दुर्ग से महासमुन्द में अस्थायी रूप से सीईओ पद का दायित्व सौंपा गया था। वे महासमुन्द में सबसे अधिक समय तक पदस्थ रहने वाले सीईओ माने जाते है।

आपको बता दें कि, एस. आलोक के कार्यकाल में कई पंचायत सचिवो पर भ्रष्टाचार और

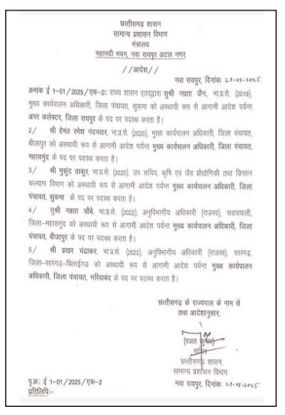

छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

//आदेश//

नवा रायपुर, दिनांक: 29-07-2025

क्रमांक ई 1-01/2025/एक-2:: राज्य शासन एतद्द्वारा सुश्री नम्रता जैन, भा.प्र.से. (2019), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, सुकमा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त अपर कलेक्टर, जिला रायपुर के पद पर पदस्थ करता है।

2/ श्री हेमंत रमेश नंदनवार, भा.प्र.से. (2020), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, बीजापुर को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, महासमुंद के पद पर पदस्थ करता है।

3/ श्री मुकुंद ठाकुर, भा.प्र.से. (2020), उप सचिव, कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा किसान कल्याण विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, सुकमा के पद पर पदस्थ करता है।

4/ सुश्री नम्रता चौबे, भा.प्र.से. (2022), अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सरायपाली, जिला-महासमुंद को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, बीजापुर के पद पर पदस्थ करता है।

5/ श्री प्रखर चंद्राकर, भा.प्र.से. (2022), अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, गरियाबंद के पद पर पदस्थ करता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार,

(रजत कुमार)
सचिव
छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

पृ.क्र.: ई 1-01/2025/एक-2
प्रतिलिपि:-
नवा रायपुर, दिनांक: 29-07-2025

कर्तव्य में लापरवाही के आरोप सामने आए। लेकिन उन पर अपेक्षित कार्रवाई नही हुई। दुरूगपाली बसना ब्लाक के पंचायत सचिव महेश ओगरे का शिकायत पर जांच में दोषी पाए जाने के बाद केवल चेतावनी पत्र देकर मामला दबा दिया गया। मंत्रालय स्तर पर दोबारा शिकायत के बाद एक वार्षिक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई। पिथौरा ब्लाक की

ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर सचिव कुन्ती आवडे ने स्थानातंरण के बाद शासकीय रिकार्ड अगले सचिव मुरलीधर साव को नही सौंपे, जिसकी पुष्टि के बाबजूद कोई कार्रवाई नही की गई। बिजेमाल ग्राम पंचायत के सचिव नरेन्द्र वैष्णव निलंबन के बाद भी अभिलेखो को हस्तातंरित नही किये। जांच में पुष्टि के बाद भी कार्रवाई नही की गई। बसना ब्लाक के जगत पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना में वित्तीय गडबडी, रोकड बही बिल बाउचर सहित दस्तावेज गायब पाए गए, फिर भी एफ्आइआर तक दर्ज नही कराई गई।

पिथौरा ब्लाक के लाखागढ पंचायत में गोठान मामले में वित्तीय गडबडी की शिकायत मिली। जांच में दोषी सिद्ध होने के बाबजूद जांच को दोहराकर मामले को लीपापोती कर बंद कर दिया गया।

गंरतलब हो कि, ग्रामीण महिलाओं ने एस. आलोक को चूडी बिन्दी भेंट करने सुशासन शिविर में पहुंची थी।

नवपदस्थ सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार से जिले की पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता, कर्तव्यनिष्ठा और भ्रष्टाचार पर अंकुश की उम्मीद की जा रही है।

उपरोक्त सभी गंभीर मामले आरटीआई के तहत प्रकाश मे आया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशानिर्देश पर भंवरपुर एवं चनाट मण्डल का पुनर्गठन

बसना (समय दर्शन)। कार्यकर्त्ताओ के पसंद से भंवरपुर मंडल का अध्यक्ष आशुतोष वैष्णव व चनाट मंडल का अध्यक्ष पद्मलोचन पटेल को सर्वस्ममति से मंडल, सेक्टर पुनर्नगठन श्रीमती चातुरी नंद विधायक सरायपाली व प्रभारी इश्तियाक खैरानी की गरिमामयी उपस्थिति मे चुना गया। इस बैठक मे चारो मंडल के कर्मठ कांग्रेस कार्यकर्ता रज्जू छाबड़ा, महेंद्र गुरूजी, रतन बंजारे, प्रीतम चतुर्वेदी, पुरुषोत्तम पटेल, प्रकाश साहू, रमेश दास विषिकेशन नाग, लीला कांत पटेल, पूरन पटेल, सत्या भोई, घसिया सिदार, रमेश पटेल, फरम पटेल, रमेश दास, सोनसाय बरिहा, पुरुषोत्तम साहू, वृन्दावन दीवान, सुरीत राम नेताम, अमर प्रताप सिंह, मोहन सिंह बरिहा, फत्ते सिंह सिदार, मोहरन सिंह सिदार, आशुतोष वैष्णव, डा नंदा, देवधर पटेल, राजेश पटेल, कन्हैया चौधरी, पद्मलोचन पटेल, विद्याचरण सिदार, ठंडा राम पटेल, रुपेश वैष्णव, धागराम नायक, बृजलाल पटेल, धनीराम चौहान, जयंत यादव, कुशल सिंह सिदार, दयाराम चौहान, श्रवण कुमार पटेल, देवराम बाघ, युवराज बरिहा, सीताराम नाग, नवीन कुमार चौहान आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में 18 अगस्त से एनएचएम कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ में एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) के संविदा कर्मचारियों ने 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया है। आंदोलन की चेतावनी 30 जुलाई को रायपुर में हुई प्रांतीय बैठक में दी गई। बैठक में प्रदेश के सभी 33 जिलों से आए जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों ने भाग लिया।

प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी ने बताया कि सरकार को 15 अगस्त तक का समय दिया गया है। यदि तब तक नियमितीकरण और अन्य 10 सूत्रीय मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो हड़ताल शुरू होगी।

इस बार कर्मचारी आपातकालीन सेवाएं भी बंद रखेंगे, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था ठप हो सकती है।

प्रदेशभर में एनएचएम के करीब 16,000 से अधिक संविदा स्वास्थ्यकर्मी कार्यरत हैंए जो हड़ताल में शामिल होंगे।

संघ ने बताया कि पांच मांगों पर पहले ही सहमति बन चुकी है, लेकिन अब तक सरकार ने कोई अमल नहीं किया। इससे कर्मचारी बेहद नाराज हैं।

संघ की प्रमुख मांग संविदा कर्मियों का नियमितीकरण और सिविलियन दर्जा, 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि का तत्काल लाभ, ग्रेड पे का निर्धारण, मेडिकल अवकाश और स्थानांतरण नीति, अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन की सुविधा शामिल है।

एनएचएम के प्रदेश अध्यक्ष डा. अमित मिरी का आरोप है कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में 100 दिन के भीतर नियमितीकरण की बात कही गई थी। अब डेढ़ साल बीत चुका है, न कमेटी बनी और न कोई निर्णय। अब तक 155 से ज्यादा बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं।

संघ के अनुसार, एनएचएम कर्मियों की मांगें पिछले 20 वर्षों से लंबित हैं। 10 से 17 जुलाई के बीच चरणबद्ध आंदोलन, विधानसभा घेराव और मुख्यमंत्री से ज्ञापन सौंपने जैसे कई प्रयास किए गए लेकिन नतीजा शून्य रहा।

संघ ने दो टूक कहा है कि अगर सरकार अब भी नहीं चेती तो राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप हो जाएंगी। अब नजर सरकार के अगले कदम पर है। निर्णय नहीं हुआ तो 18 अगस्त से छत्तीसगढ़ के अस्पतालों में हड़ताल का असर साफदिखेगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27